दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 273 ■ दमण, शनिवार 18, जुलाई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

ईसीआई ने प्रथम अखिल भारतीय मीडिया कांफ्रेंस का किया आयोजन: मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर दिया जोर

■ हितधारकों को जोड़ना, लोकतंत्र को सशक्त बनाना: चुनावों में मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 380 से अधिक मीडिया प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
नई दिल्ली 17 जुलाई।

भारतीय निर्वाचन आयोग ने आज पहली अखिल भारतीय मीडिया कांफ्रेंस-2026 का आयोजन किया। हितधारकों को जोड़ना, लोकतंत्र को सशक्त बनाना: चुनावों में मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 380 से अधिक मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में चुनाव संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम तथा निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार कराए जाते हैं। उन्होंने कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विभिन्न हितधारकों की भागीदारी से लगातार जांच और निगरानी के दायरे में रहती है, जिससे इसकी पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि देश की लगभग 95 करोड़ मतदाताओं वाली मतदाता सूची एक जीवंत दस्तावेज है, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में 12 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (BLO) और 15 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट (BLA) समानांतर ऑडिटर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत भारतीय मतदाताओं के लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रणाली पर विश्वास का प्रमाण है। साथ ही उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए देश के सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन का उद्देश्य मीडिया को चुनावी प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं, संवैधानिक प्रावधानों, चुनावी कानूनों, ईसीआईनेट (ECINET) प्लेटफॉर्म, चुनावों में तकनीक के उपयोग तथा चुनाव के दौरान मीडिया से जुड़े नियमों की विस्तृत जानकारी देना था। इस दौरान प्रतिभागियों को बूथ लेवल एजेंट, पोलिंग एजेंट और काउंटिंग एजेंट की भूमिका से भी अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें मतदाता सूची तैयार करने, मतदान और मतगणना की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया, ताकि वे चुनाव प्रक्रिया को नजदीक से समझ सकें। सम्मेलन के अंत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र में भी भाग लिया और उनके सवालों के जवाब दिए।

दमण कोर्ट ने अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर किया जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 जुलाई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण-दीव के एड-हॉक मेंबर सेक्रेटरी श्री राजेश एस. तिवारी के मार्गदर्शन में दमण कोर्ट और एडवोकेट द्वारा आज अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर लोगों को जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इसके साथ ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में वकीलों, कोर्ट स्टाफ द्वारा पैम्पलेट वितरित किया गया और टोल फ्री नंबर 15100 के लिए प्रचार-प्रसार किया गया। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस हर साल 17 जुलाई को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इसे अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस भी कहा जाता है। इस विशेष दिन का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय न्याय प्रणाली को बढ़ावा देना, पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना और समाज में जघन्य अपराधों को रोकना है।

सिलवासा में किशोर न्याय एवं बाल संरक्षण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 17 जुलाई। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण सिलवासा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय सिलवासा स्थित कांफ्रेंस हॉल में किशोर एवं बाल कल्याण अधिकारियों तथा विशेष किशोर पुलिस इकाइयों के सदस्यों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता अनिल बागुल ने प्रतिभागियों को किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2000 की धारा 63 सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बाल अधिकारों की सुरक्षा और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. नयनशोभा के. ए., क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, नमो अस्पताल सिलवासा एवं बाल कल्याण समिति की सदस्य ने बाल विवाह, बाल श्रम, बच्चों से भीख मंगवाना, बाल तस्करी तथा पॉक्सो अधिनियम-2012 से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों के संरक्षण एवं संवेदनशील मामलों में पुलिस और संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिवक्ता अनिल बागुल ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक एवं कानूनी पहलुओं की जानकारी साझा की तथा बेहतर कार्यप्रणाली के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में विशेष किशोर पुलिस इकाइयों के सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस विभाग एवं संबंधित स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डीएलएसए के सचिव एवं अधीक्षक अनिरुद्ध पगाडे के मार्गदर्शन और देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 से अधिक विशेष किशोर पुलिस इकाइयों के सदस्यों ने भाग लेकर बाल संरक्षण एवं किशोर न्याय व्यवस्था से जुड़े विषयों पर अपने ज्ञान और समझ को और अधिक सुदृढ़ किया।

असली आज़ादी

तिरुपति में दानवीरों का सैलाब : नई नीति से पहले 97 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह

तिरुपति (एजेंसी)। तिरुपति बालाजी मंदिर में दानदाताओं की अप्रत्याशित भीड़ देखने को मिली, जिसके चलते देवस्थानम बोर्ड ने मात्र 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड 96.98 करोड़ रुपये का दान जमा किया। यह अप्रत्याशित बढ़ोतरी 15 जुलाई की आधी रात से लागू होने वाली नई दानकर्ता नीति से ठीक पहले दानदाताओं में मची होड़ का परिणाम थी। इस नई नीति से दानदाताओं को अब तक मिलने वाले आजीवन लाभों पर विराम लग गया है, और सुविधाओं व विशेषाधिकारों में भी बड़े बदलाव किए हैं। हालांकि, जिन्होंने 15 जुलाई से पहले दान दिया है, उन्हें अपने आजीवन लाभ मिलता रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को 2,460 दानदाताओं ने योगदान दिया। इसमें से 1,212 भक्तों ने 1 से 10 लाख रुपये के बीच, जबकि 1,246 ने 10 से 25 लाख रुपये के बीच दान दिया। दो भक्तों ने 1 करोड़ रुपये से अधिक का महादान किया। दुनिया के सबसे अमीर मंदिरों में शुमार तिरुपति बालाजी की कुल संपत्ति लगभग 3.38 लाख करोड़ रुपये है, जो कई छोटे देशों की जीडीपी से भी अधिक है। मंदिर की हुंडी में औसतन रोजाना 4.75 करोड़ रुपये का दान आता है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड ने दानदाताओं की बढ़ती संख्या को देखकर विशेष सुविधा नीति में बदलाव करना आवश्यक बताया। टीटीडी के चेयरमैन बी.आर. नायडू ने कहा कि पिछले चार महीनों में 10 लाख रुपये से अधिक दान करने वालों की संख्या में करीब 3,000 की बढ़ोतरी हुई है। नई नीति का उद्देश्य दान प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और एकरूपता लाना है, साथ ही आम तीर्थयात्रियों के लिए दर्शन के अवसरों को भी बेहतर बनाना है।

मुर्शिदाबाद में ट्रेन ने स्कूल वैन को मारी टक्कर, तीन की मौत

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से स्कूल वैन में सवार कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो नाबालिग बच्चे बताए जा रहे हैं। हादसे में घायल अन्य लोगों को उपचार के लिए मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे कर्णसुवर्ण रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर हुआ। बताया जा रहा है कि स्कूल वैन रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार ट्रेन ने वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के सैकड़ों लोग रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। स्थानीय लोगों ने वैन में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की 10 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंच गई है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक रेलवे या स्थानीय प्रशासन की ओर से हादसे के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। अधिकारियों द्वारा दुर्घटना के कारणों और मृतकों तथा घायलों की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में तनाव और शोक का माहौल है।

रुद्रप्रयाग में खाई में डंपर गिरने से दो की मौत

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में सड़क हादसों का सिलसिला जारी है। देर रात फाटा और बड़ासू के बीच एक डंपर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हाल ही में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भी एक युवक खाई में गिर गया था, जिसे एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित बाहर निकालकर मिसाल पेश की है। गुरुवार देर रात तरसाली के पास हुए इस डंपर हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। रातभर चले संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान 45 वर्षीय संजय राणा और मोहन नामक दो व्यक्तियों के शव खाई से बरामद कर सड़क तक पहुंचाए गए। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। इससे पहले गौरीकुंड से करीब दो किलोमीटर ऊपर छोड़ी क्षेत्र में 25 वर्षीय मोहित रावत नाम का युवक खाई में गिर गया था। डायल-112 पर सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ और अन्य बचाव दलों ने अंधेरे और दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मशक्कत कर मोहित को सुरक्षित निकाल लिया। उसे चोटें आई हैं, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक के खाई में गिरने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

बरेली में गोकशी के आरोप में दो गिरफ्तार, मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी और एक सिपाही घायल

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में गोकशी के खिलाफ चलाए गए अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक को पुलिस मुठभेड़ के बाद दबोचा गया। इस कार्रवाई में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 16 जुलाई को इज्जतनगर पुलिस को ग्राम महलौन में गोकशी की सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने छापा मारकर मोहम्मद खान को मौके से गिरफ्तार किया। उसके पास से लगभग 40 किलो गोमांस, इलेक्ट्रॉनिक वजन करने वाली मशीन और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में मोहम्मद खान ने स्वीकार किया कि उसने अपने जीजा अकीलुद्दीन उर्फ गट्ठू, बहन हसीना और आलम उर्फ अकबर के साथ मिलकर गोकशी की थी। अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस को सूचना मिली कि अकीलुद्दीन इलाके में छिपा है। उसे पकड़ने के दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में अकीलुद्दीन के पैर में गोली लगी और उसे बाद में पुलिस ने दबोच लिया। उसके पास से एक तमंचा, कारतूस और गोमांस के कुछ टुकड़े भी बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

मानसून सत्र से पहले कांग्रेस का बड़ा प्लान, मोदी सरकार की घेराबंदी की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के आगामी मानसून सत्र से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार को घेरने की अपनी रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है। गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर अहम बैठक हुई, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जिन्हें सदन में प्रमुखता से उठाया जाएगा।

इस बैठक में फैसला किया गया कि कांग्रेस शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं, लगातार हो रहे पेपर लीक, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी जैसे भ्रष्टाचार के मामलों पर सरकार से कड़ा जवाब मांगेगी। इसके अतिरिक्त, एथनॉल मिश्रण नीति, कमरतोड़ महंगाई, विदेश नीति की कथित विफलताएं, संस्थानों पर बढ़ते कब्जे और राजनीतिक दलों को तोड़ने की प्रवृत्ति को भी उठाया जाएगा। पार्टी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हो रहे लगातार हमलों तथा बेलगाम वनों की कटाई से जुड़े पर्यावरण संबंधी चिंताओं को भी सदन में उठाने का संकल्प लिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने रणनीति बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर इन जनहित के मुद्दों पर मोदी सरकार से जवाबदेही तय करने की बात कही। सूत्रों के अनुसार, बैठक में संसद के भीतर विपक्षी दलों के साथ समन्वय स्थापित करने और विभिन्न मुद्दों पर सरकार को प्रभावी ढंग से घेरने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलने की संभावना है। सत्र की तैयारियों के तहत, विपक्षी गठबंधन इंडिया की भी सोमवार को बैठक प्रस्तावित है, जबकि सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। कांग्रेस अपनी रणनीति को सफल बनाने के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ समन्वय स्थापित करने पर भी बल दे रही है।

पंजाब कांग्रेस में घमासान : राहुल से नहीं मिल पाए चन्नी, बुलाई समर्थकों की मीटिंग

चड़ीगढ़ (एजेंसी)। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी कलह लगातार खुलकर सामने आ रही है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के बीच गुटबाजी लंबे समय से चल रही है। हाल ही में, चन्नी और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि ऑल इज वेल और वे पार्टी आलाकमान का फैसला मानेंगे। चन्नी ने यह भी कहा कि राहुल गांधी उनके नेता हैं और वे उनके साथ जीना-मरना चाहते हैं। इन दावों के बावजूद, चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने समर्थकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जिससे संकेत मिलता है कि पंजाब कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। इस बैठक को राजा वड़िंग के साथ चल रहे टकराव के बीच खुद को मजबूत दिखाने की चन्नी की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली में, चन्नी और रंधावा ने कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला से मुलाकात की, लेकिन चन्नी की राहुल गांधी से मुलाकात नहीं हो सकी। चन्नी चाहते थे कि राहुल गांधी उनसे मिलकर उनकी बात सुनें। पार्टी आलाकमान ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बनाए रखने का निर्णय लिया है, जबकि चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नेतृत्व वाले नेताओं का एक धड़ा इस फैसले का विरोध कर रहा है और वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर चन्नी को राज्य में पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने की मांग कर रहा है। इसी बीच, चन्नी के समर्थकों ने सोशल मीडिया पर सारा पंजाब चन्नी नाल (सारा पंजाब चन्नी के साथ) संदेश वाली तस्वीरें साझा की हैं, जो इस अंदरूनी खींचतान को और उजागर करती हैं। पंजाब मामलों के कांग्रेस प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने राज्य इकाई में गुटबाजी को लेकर अपनी रिपोर्ट भी पार्टी नेतृत्व को सौंपी है। ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के बावजूद पंजाब कांग्रेस में ऑल इज वेल की स्थिति अभी भी दूर है।

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक कहा- कानून के दायरे में ही चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में बुलडोजर कार्रवाई पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि कानून के लिए बुलडोजर चल सकता है, लेकिन इसका उपयोग चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने साफकिया कि उसके पहले के फैसले में सभी बुलडोजर कार्रवाइयों पर रोक नहीं लगाई गई थी, बल्कि यह सुनिश्चित किया गया था कि तोड़-फोड़ की कार्रवाई कानून और संविधान के दायरे में ही हो। यह टिप्पणी मनमाने ढंग से बुलडोजर एक्शन के आरोपों वाली अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि हर बुलडोजर एक्शन की वैधता की जांच उसके अपने तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए और ऐसे मामलों की जांच के लिए हाईकोर्ट ही सही जगह हैं।

बेंच ने अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि उठाए गए मुद्दों में तथ्यों से जुड़े विवादित सवाल शामिल हैं, जिनकी विस्तार से जांच की आवश्यकता है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि अवैध कब्जों के खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल सही हो सकता है, विशेषकर जब अधिकारियों और अवैध कब्जा करने वालों की मिलीभगत से कानून का शासन कमजोर हो रहा हो। हालांकि, उन्होंने भेदभावपूर्ण तरीके से इसके इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि कानून लागू करने के नाम पर लोगों की छवि खराब नहीं की जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जोर दिया कि किसी भी विध्वंस यानी तोड़-फोड़ के मामले में मुख्य मुद्दा यह होता है कि क्या वह ढांचा कानूनी रूप से अधिकृत था और क्या अधिकारियों ने कार्रवाई करने से पहले तय कानूनी प्रक्रिया का पालन किया था। याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2024 (संभवतः 2023 या पहले का संदर्भ) के फैसले में तय सुरक्षा उपायों का उल्लंघन किया है। हालांकि, बेंच ने कहा कि उन आरोपों के लिए तथ्यों की जांच जरूरी है, इसलिए यह जांचने के लिए कि क्या उचित प्रक्रिया का पालन किया गया था, हाई कोर्ट ही सही मंच हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी लंबित याचिकाओं को संबंधित हाई कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया, और यह स्पष्ट किया कि उसके पूर्व के फैसले को उसमें बताए गए अपवादों के साथ पढ़ा जाना चाहिए, न कि किसी अलग कानूनी प्रावधान के तौर पर। बेंच ने यह भी कहा कि बुलडोजर एक्शन के अलग-अलग मामलों में तथ्यों से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए अवमानना की कार्यवाही सही तरीका नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने सुनवाई के दौरान विभिन्न मामलों का हवाला दिया, जिसमें सोमनाथ में मस्जिदों को गिराए जाने और महाराष्ट्र में स्थानीय नेताओं द्वारा बुलडोजर कार्रवाई का आह्वान करने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शामिल थी।

वांगचुक ने कहा- तोड़ देंगे अनशन, पर 20 जुलाई के मार्च को सफल बनाना होगा!

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जो पिछले बीस दिनों से जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं, अब इसे खत्म करने को राजी हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह शर्त सरकार के सामने नहीं, बल्कि जनता के सामने रखी है। वांगचुक ने संकेत दिया है कि यदि 20 जुलाई का संसद मार्च सफल होता है तो वह अपना अनशन समाप्त कर देंगे। उन्होंने देश भर के लोगों से इस मार्च को सफल बनाने की अपील की है।

वांगचुक ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि वे केवल अनशन खत्म करने के लिए नहीं कह रहे, बल्कि एक छोटा कदम उठाने के लिए कह रहे हैं, जिसमें मिस्ड कॉल करके अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना भी शामिल है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी माताओं को साथ लेकर संसद तक मार्च करें। उन्होंने वादा किया कि यदि यह मार्च कामयाब रहा और मुद्दा सही हाथों में गया, तो वे चैन की नींद सो पाएंगे और अपना अनशन तोड़ देंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह मार्च की सफलता के लिए क्या पैमाने मानेंगे, जैसे कितनी भीड़ या कितनी दूर तक मार्च कर पाना उनकी नजर में कामयाबी होगी। इस अनिश्चितता के बावजूद, उनका आह्वान जनता के सहयोग पर केंद्रित है ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके संघर्ष को एक निर्णायक मोड़ मिल सके। अपने अनशन के 19वें दिन तक सोनम वांगचुक का वजन 9 किलो घट गया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर बताया कि बहुत से लोग उनसे अनशन खत्म करने का आग्रह कर रहे हैं। वांगचुक ने स्वीकार किया कि उनका शरीर कमजोर हुआ है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी हालत इतनी खराब नहीं है कि वे 3-4 दिन में मर जाएं। उन्होंने कहा कि वह अपना अनशन तभी खत्म करेंगे जब जनता एकजुटता दिखाएगी। इसी संदर्भ में उन्होंने लोगों से 20 जुलाई के संसद मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से माताओं से इस मार्च का नेतृत्व करने की अपील की, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए मां के दिल में जो प्यार होता है, वह किसी और के दिल में नहीं होता।

महाराष्ट्र में युवक की गोली मारकर हत्या, शिवसेना पार्षद समेत 16 पर मामला दर्ज

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने शिवसेना के एक पार्षद और 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक यह घटना बुधवार रात कलमनुरी शहर में हुई थी। पुलिस के मुताबिक एक पुराने विवाद को लेकर एक समूह के साथ हुई झड़प में लुकमान सिद्दीकी (38) को गोली मार दी गई। बताया जा रहा है कि इस समूह में शिवसेना पार्षद किशोर भालेराव भी शामिल थे। पुलिस ने बताया बाद में गंभीर चोटों के कारण लुकमान की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले में कितनी गोलियां चलाई गईं, इसकी जांच अभी जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने कहा कि भालेराव और 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उनकी तलाश जारी है। इस बीच, कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस घटना को लेकर महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कानून का शासन खत्म हो गया है। सत्ता की ताकत के साथ गुंडागर्दी को शाही संरक्षण मिला है। सत्ता में बैठे लोगों की छत्रछाया में अपराधी बेखौफ हैं, जबकि आम नागरिक डरे हुए हैं।

अखिलेश की रथ यात्रा: 36 साल बाद धार्मिक स्थलों से भाजपा को घेरने की तैयारी?

यात्रा की शुरुआत किसी प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल करने की चर्चा

लखनऊ (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। इन्हीं चुनाव तैयारी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव एक बड़ी राजनीतिक कवायद की तैयारी में हैं। सूत्रों के अनुसार, अखिलेश सितंबर 2026 में समाजवादी पीडीए रथ यात्रा शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। यह यात्रा 25 सितंबर, 1990 को राम मंदिर आंदोलन के लिए निकाली गई चर्चित रथ यात्रा के 36 साल पुराने इतिहास को दोहराने जैसा होगा। माना जा रहा है कि अखिलेश की यह रथ यात्रा सितंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो सकती है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यात्रा की शुरुआत किसी प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल से किए जाने पर मंथन चल रहा है, जिसमें अयोध्या, मथुरा या काशी जैसे स्थानों पर विचार हो रहा है। सपा की रणनीति भाजपा को राम मंदिर में चढ़ावा चोरी जैसे मुद्दों पर राजनीतिक रूप से घेरने की हो सकती है, हालांकि पार्टी नेतृत्व अभी अंतिम स्थान और तारीख को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। यह यात्रा समाजवादी पार्टी के पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) समीकरण को साधने पर केंद्रित होगी।

समाजवादी पार्टी के इन दावों के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मथुरा से संबंधित हालिया बयान चर्चा में है। कुशीनगर में जनसभा के दौरान, मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला कर कहा था कि जो लोग युवाओं का रोजगार छीनते थे, वे अयोध्या, मथुरा और काशी के बारे में कैसे सोच सकते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे को हजम कर जाती थी और मंदिरों पर कब्जा करवाती थी, जबकि भाजपा सरकार उन्हीं मंदिरों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण कर रही है। योगी ने कहा कि मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान की चारदीवारी पर खर्च करने वाले लोगों को विकास पर बात करना शोभा नहीं देता।

पुरी रथ यात्रा में श्रद्धालु की मौत पर सियासी घमासान

-विपक्ष ने सरकार को घेरा, भीड़ प्रबंधन पर उठे सवाल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में वार्षिक रथ यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु की कथित भगदड़ में मौत के बाद राज्य सरकार पर मुख्य विपक्षी दलों, बीजू जनता दल और ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) ने निशाना साधा है। ओपीसीसी अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मृतक श्रद्धालु अनिल दास के प्रति गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सतर्क रहने और भीड़ प्रबंधन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि क्योंझर जिले के निवासी अनिल दास की मौत बड़ा डांडा (ग्रैंड रोड) स्थित मारीचिकोट चौक के पास अत्यधिक भीड़ के कारण दम घुटने से हुई, जहां वह पुलिस बैरिकेड से लगभग 100 फीट दूर अचानक गिर पड़े। उन्हें तुरंत पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भक्त चरण दास ने इस तरह की घटनाओं के बार-बार होने को गंभीर चिंता का विषय बताया और इसकी गहन समीक्षा की मांग की। उन्होंने घटना को अक्षम्य बताते हुए आरोप लगाया कि एक श्रद्धालु की मौत हुई है, जबकि 150 से अधिक लोगों को दम घुटने और भीड़ से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण इलाज कराना पड़ा। उन्होंने पिछले वर्ष की रथ यात्रा का भी उल्लेख किया, जिसमें भगदड़ के कारण तीन लोगों की मौत हो गई थी। दास ने आरोप लगाया कि अत्यधिक संख्या में कॉर्डन पास जारी करना और आरएसएस स्वयंसेवकों को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देना कथित अव्यवस्था के प्रमुख कारणों में से थे। उन्होंने पारंपरिक ताहिया (एक बड़ा और सुगंधित पुष्प मुकुट) के बिना भगवान जगन्नाथ की रस्म संपन्न कराने के लिए भी राज्य सरकार की आलोचना की, यह कहते हुए कि इससे ओड़िया समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने गुरुवार को रथ यात्रा के दौरान भगदड़ की घटनाओं के आरोपों से इनकार किया है, लेकिन पुरी में दो श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की। सरकार के अनुसार, रथ यात्रा के दौरान सात लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से 60 वर्ष से अधिक आयु के एक पुरुष श्रद्धालु की कथित तौर पर दम घुटने के कारण मृत्यु हो गई। इसके अलावा, एक अलग घटना में, 35 वर्ष से अधिक आयु के एक अन्य पुरुष श्रद्धालु को दिल का दौरा पड़ा और तत्काल चिकित्सा सहायता के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस घटना के बाद, राज्य में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा उपायों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कोरोना की वापसी की आशंका: 4 मौतें और 12 नए केस से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोविड-19 के कुछ नए मामलों और मौतों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है, जिससे बीमारी की वापसी का खतरा मंडराने लगा है। आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच 12 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए, जिनमें से चार मरीजों की पहले से मौजूद गंभीर बीमारियों और कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के कारण मौत हो गई। इन मौतों का अनुपात लगभग 30 प्रतिशत रहा, जिसने लोगों को विशेष रूप से भयभीत कर दिया है। मरने वाले मरीजों को हाइपरटेंशन, डायबिटीज और किडनी संबंधी गंभीर समस्याएं थीं। शेष संक्रमितों में से तीन होम आइसोलेशन में हैं, दो अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, जबकि तीन ठीक होकर घर जा चुके हैं। जुलाई के पहले पखवाड़े में देशभर में कुल 339 नए कोविड मामले दर्ज किए गए हैं, जो सतर्कता की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

हालांकि, संक्रामक रोग विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल देश में कोरोना की कोई नई लहर नहीं है और न ही कोई खतरनाक वेरिएंट सामने आया है। आंध्र प्रदेश के मामले स्थानीय क्लस्टर प्रतीत होते हैं, न कि देशव्यापी फैलाव। जानकार बताते हैं कि एक बड़ी आबादी में अब हाइब्रिड इम्यूनिटी मौजूद है, जो गंभीर बीमारी से बचाती है। इन्फ्लूएंजा और कोविड के लक्षण मिलते-जुलते हैं, इसलिए जांच महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। यदि बुखार 3-5 दिन से अधिक रहे, सांस लेने में तकलीफ हो, सीने में दर्द हो या भ्रम बढ़े, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। मास्क के उपयोग पर विशेषज्ञों का कहना है कि हर किसी को मास्क लगाने की जरूरत नहीं है, लेकिन यदि किसी को बुखार, खांसी, गले में खराश या नाक बह रही है, तो दूसरों में संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मास्क जरूर पहनें। अस्पताल जाते समय या भीड़भाड़ वाली बसों, ट्रेनों और फ्लाइट्स में भी मास्क का उपयोग करना उचित है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों वाले लोगों को भीड़ वाली बंद जगहों पर मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। कुछ जरूरी सावधानियों में भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, बाहर से आने के बाद हाथों को साबुन और पानी से धोना, खांसी या जुकाम होने पर मास्क और सैनिटाइजर का उपयोग करना शामिल है। यदि बच्चे बीमार हों, तो उन्हें स्कूल या खेलने न भेजें और घर पर उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था बनाए रखें। घबराने के बजाय सतर्कता और सावधानी ही इस स्थिति से निपटने का सर्वोत्तम उपाय है।

पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी, देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद से रवाना

जींद,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जींद से सोनीपत के बीच शुरू हुई यह ट्रेन दुनिया की सबसे लंबी और सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल मानी जा रही है। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे।

हाइड्रोजन ट्रेन को रवाना करने के बाद प्रधानमंत्री ने रेलवे स्टेशन पर उपस्थित लोगों और स्कूली बच्चों का अभिवादन स्वीकार किया। दूसरे प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में नागरिक इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। ट्रेन की पहली यात्रा में शामिल स्कूली बच्चों ने ग्रीन ट्रांसपोर्ट का अनुभव किया और हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक इस नई शुरुआत का स्वागत किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री जींद के एकलव्य स्टेडियम पहुंचे, जहां आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने लगभग 14,700 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री का पारंपरिक साफा पहनाकर स्वागत किया और उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने करीब 9,680 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 157.92 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे (पैकेज-1 से 5) को राष्ट्र को समर्पित किया। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से दिल्ली से कटरा की यात्रा का समय लगभग 14 घंटे से घटकर 6 घंटे और दिल्ली से अमृतसर की यात्रा 8 घंटे से घटकर 4 घंटे रह जाएगी।

इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग-7 और राष्ट्रीय राजमार्ग-344 पर बने 33.81 किलोमीटर लंबे अंबाला-काला अंब चार लेन राजमार्ग का उद्घाटन भी किया। यह परियोजना हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग-352ए पर 40.60 किलोमीटर लंबे जींद-गोहाना ग्रीनफील्ड राजमार्ग का उद्घाटन किया, वहीं हांसी-बरवाला ब्राउनफील्ड राजमार्ग परियोजना की आधारशिला भी रखी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक रेल और सड़क अवसंरचना देश के आर्थिक विकास की मजबूत नींव है। हाइड्रोजन ट्रेन जैसी पर्यावरण अनुकूल पहल भारत को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की दिशा में आगे ले जाएगी, जबकि नई सड़क परियोजनाएं क्षेत्रीय विकास, व्यापार और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देंगी।

भारत का बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पूरी रफ्तार से बढ़ रहा आगे, MEA ने जापानी नेता के आरोपों पर दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को जापान के एक पूर्व मंत्री के उस आरोप को खारिज कर दिया जिसमें महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में ''देरी'' की बात कही गई थी। भारत ने इसे ''व्यक्तिगत राय'' बताया और कहा कि निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अहमदाबाद-मुंबई हाई-स्पीड रेल पर भारत-जापान के बीच बातचीत वास्तव में अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''हमने वह पोस्ट देखी है। यह एक व्यक्तिगत राय है और तथ्यों से काफी अलग है। अहमदाबाद-मुंबई हाई-स्पीड रेल पर भारत-जापान के बीच बातचीत वास्तव में अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। जापान ए20 ट्रेन सीरीज देगा, लेकिन 2030 के दशक की शुरुआत में ही. जिस ट्रेन की बात हो रही है, वह अभी भी बन रही है। इस बीच, निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ा है। पहला सेक्शन 2027 में ही खुल जाएगा। इसलिए, दोनों पक्ष भारतीय हाई-स्पीड ट्रेन शुरू करने पर सहमत हुए। दरअसल, जापान के पूर्व न्याय मंत्री हिदेकी माकिहारा ने आरोप लगाया था कि शिंकानसेन प्रोजेक्ट पर बातचीत के दौरान भारतीय अधिकारी बार-बार अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रहे और उन्होंने ''अपने फायदे'' को प्राथमिकता दी। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में सिग्नलिंग सिस्टम से जापान को बाहर रखने के आरोपों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि सिग्नलिंग उपकरणों का ऑर्डर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जापान से कोई प्रस्ताव नहीं मिला था। यह प्रोजेक्ट हाई-स्पीड ट्रेन प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करने के साझा लक्ष्य के अनुरूप है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर भारत का पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट है। यह 508 किलोमीटर लंबा है और इसका मकसद महाराष्ट्र और गुजरात के बीच तेज़ रफ़्तार कनेक्टिविटी देना है। मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर में जापानी शिंकानसेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है और इसे जापानी सरकार की 'जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी' से लंबे समय के लिए कम ब्याज वाले लोन से आंशिक रूप से फ़ंडिंग मिली है। मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर, 320 kmph तक की रफ़्तार से चलने वाली ये ट्रेनें शहरों के बीच यात्रा के तरीके को बदल देंगी और मुंबई, वापी, सूरत, आणंद, वड़ोदरा और अहमदाबाद के बीच आर्थिक जुड़ाव को मज़बूत करेंगी। इस कॉरिडोर में ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में स्टेशन होंगे। लिमिटेड-स्टॉप सर्विस (जो सिर्फ़ सूरत, वड़ोदरा और अहमदाबाद में रुकेंगी) से यात्रा में लगभग 2 घंटे 7 मिनट लगेंगे, जिससे पारंपरिक रेल और सड़क परिवहन की तुलना में यात्रा का समय काफ़ी कम हो जाएगा।

अमृत भारत स्टेशन योजना को नई रफ्तार: पीएम मोदी ने गुजरात के चार आधुनिक रेलवे स्टेशन राष्ट्र को किए समर्पित

अहमदाबाद (ईएमएस)। भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत देश के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित किया। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम अंतर्गत गुजरात में कुल 109 करोड़ रुपए की लागत से चार नए पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का ई-लोकार्पण किया गया, जिनमें वडोदरा का प्रतापनगर, गोधरा, पोरबंदर और भक्तिनगर रेलवे स्टेशन शामिल हैं। वडोदरा मंडल के प्रतापनगर रेलवे स्टेशन पर आयोजित लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहभागी हुए। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रतापनगर के पुराने स्टेशन तथा अत्याधुनिक सुविधाओं से सज्ज नए स्टेशन के कायाकल्प को दर्शाने वाली विशेष प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया। अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत अब प्रतापनगर, भक्तिनगर, पोरबंदर और गोधरा; इन चार नए स्टेशनों के लोकार्पण के साथ ही गुजरात में अब अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अमृत भारत स्टेशनों की कुल संख्या 22 हो गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व मई-2025 में भी प्रधानमंत्री द्वारा राज्य के 18 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण किया गया था, जिससे गुजरात में रेलवे अवसंरचना के सतत विकास और आधुनिकीकरण को नई गति प्रदान की गई थी। गुजरात में रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए हाल में अन्य 87 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जो भारत की रेलवे को आधुनिक बनाने के अभियान में राज्य की अग्रणी भूमिका को और अधिक मजबूत बनाता है। प्रतापनगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ राज्य मंत्री डॉ. मनीषा वकील, विधानसभा के मुख्य सचेतक बालकृष्ण शुक्ल, सांसद डॉ. हेमांग जोशी, महापौर गीता मकवाणा, स्थानीय पदाधिकारी एवं अग्रणी, वडोदरा महानगर पालिका के आयुक्त अरुण महेश बाबू, शहर पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार, वडोदरा रेलवे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सहित रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी व नागरिक उपस्थित रहे।

अहमदाबाद को स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी सौगात: 6 महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए रु. 2,719.80 करोड़ मंजूर

अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से देश के शहरी विकास में व्यापक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से शुरू किए गए अर्बन चैलेंज फंड के तहत अहमदाबाद महानगर की छह महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कुल रु. 2,719.80 करोड़ की मंजूरी प्रदान की है। मंजूर परियोजनाओं में पश्चिम अहमदाबाद के मुख्य सीवर नेटवर्क के पुनर्वास के लिए रु. 852.93 करोड़, पूर्व अहमदाबाद के मुख्य सीवर नेटवर्क के पुनर्वास के लिए 551.35 करोड़, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पुराने सीवर नेटवर्क के पुनर्वास के लिए रु. 290.24 करोड़, इंटेलिजेंट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम के लिए रु. 215 करोड़, 125 टीपीडी क्षमता वाली इंटीग्रेटेड स्लज मैनेजमेंट फैसिलिटी के लिए रु. 479.25 करोड़ तथा इंटीग्रेटेड ट्रांजिट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) और ऑटोमेटेड फेयर कलेक्शन सिस्टम (एएफसीएस) के लिए रु. 331.03 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से अहमदाबाद के सीवर नेटवर्क का व्यापक पुनर्वास होगा, जिससे सीवर ओवरफ्लो और रिसाव जैसी समस्याओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही पूरे सीवर और स्टॉर्म वॉटर सिस्टम की रियल-टाइम डिजिटल मॉनिटरिंग और स्मार्ट संचालन संभव हो सकेगा।

इंटीग्रेटेड स्लज मैनेजमेंट परियोजना के तहत सीवर स्लज से बायोगैस और ग्रीन एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सर्कुलर इकोनॉमी को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों के लिए जीपीएससी की नई पहल, 'अवसर' मॉड्यूल लॉंच

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) ने प्रतियोगी परीक्षाओं में अंतिम चयन से वंचित रह गए, लेकिन प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'अवसर' मॉड्यूल विकसित किया है। आयोग के सचिव सुधीर पटेल ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि भर्ती प्रक्रिया में इंटरव्यू तक पहुंचने वाले अभ्यर्थी प्रारंभिक और मुख्य परीक्षाएं उत्तीर्ण कर चुके होते हैं। ऐसे अभ्यर्थी भले ही अंतिम चयन सूची में स्थान न बना पाए हों, लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर कोई संदेह नहीं है। इसी प्रतिभा को रोजगार से जोड़ने के लिए यह नई पहल की गई है। सुधीर पटेल ने बताया कि इस मॉड्यूल के माध्यम से गुजरात एवं भारत सरकार के विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू), सहकारी संस्थाओं तथा प्रतिष्ठित निजी कंपनियों को योग्य मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा। आयोग भर्ती प्रक्रिया के अंतिम परिणाम में असफल अथवा प्रतीक्षा सूची में शामिल अभ्यर्थियों और विभिन्न संस्थानों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा, ताकि योग्य उम्मीदवारों को वैकल्पिक और बेहतर रोजगार के अवसर आसानी से मिल सकें। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगा, जो अपनी स्पष्ट सहमति देंगे। इच्छुक उम्मीदवारों को जीपीएससी-ओजस पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन सहमति देनी होगी। इस प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने के लिए ओटीपी आधारित सत्यापन की व्यवस्था की गई है।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGE MY OLD NAME FROM MANISHA NIKUNJ DHONDE TO **NEW NAME MANISHABEN NARENDRA** AS PER DOCUMENTS

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM MUMTAZ FIROZALI RAVJANI TO **RAVJANI MUMATAJBANU FIROZALI** AS PER DOCUMENT
ADDRESS : PLOT NO.16,CITIZEN HOUSE,ANMOL SOCIETY,B/H GOVINDA COMPLEX,BAVISA FALIYA, SILVASSA 396230

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM MASUMABEN ANVARALI RAVJANI TO **MASUMABANU ANAVARALI RAVJANI** AS PER DOCUMENT
ADDRESS : PLOT NO.16,CITIZEN HOUSE,ANMOL SOCIETY,B/H GOVINDA COMPLEX,BAVISA FALIYA, SILVASSA 396230

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME SOMABHAI JANKIYABHAI RAUT TO **NEW NAME SOMABHAI JANKYABHAI RAUT** AS PER DOCUMENTS

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM NUTANBEN RAUT/NUTANBEN TO **NEW NAME NUTANBEN SOMABHAI RAUT** AS PER DOCUMENTS

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM SOMA/SOMA RAUT/SOMABHAI JANKIYABHAI RAUT TO **NEW NAME SOMABHAI JANKYABHAI RAUT** AS PER DOCUMENTS

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
कडैया, दमन में श्मशान घाट की मरम्मत और रखरखाव। (छोटे-मोटे काम) (E-30577)

टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4885_1
प्रीबिड मीटिंग की तारीख : 17/07/2026
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 21/07/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 21/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 21/07/2026
For details please scan https://ddtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/321 DATE:- 17/07/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
देवका गार्डन, नानी दमन में एक्वेरियम बिल्डिंग, म्यूज़ियम बिल्डिंग, स्टेशन कियोस्क और फ़ूड कोर्ट की दुकानों के लिए बिजली लगाने के काम के संबंध में। (E-47702)

टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4887_1
प्रीबिड मीटिंग की तारीख : ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 22/07/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 22/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 22/07/2026
For details please scan https://ddtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/322 DATE:- 17/07/2026

केंद्र शासित प्रदेश दादरा ओर नगर हवेली ओर दमन ओर दीव

उप वन संरक्षक, दमन और दीव, दमन.

"वर्ष 2026-27 के दौरान जैम्पोर, मोती दमन स्थित एवियरी (पक्षीगृह) में जाली को सहारा देने हेतु लंबे स्टील पोलों की आपूर्ति, स्थापना तथा उन पर पाइमर एवं पेंट सहित रंगाई (पेंटिंग) का कार्य।"

निविदा क्रमांकन. 2026_DIUDT_4886_1

विवरण के लिए कृपया स्कैन करें या विजिट करें ddtenders.gov.in
dcf-dmn-dd@ddd.gov.in
0260-2230978

हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि: 28/07/2026 up to 14:00 hrs.
बोली खुलने की तिथि: 28/07/2026 at 16:00 hrs.

उप वन संरक्षक, दमन के कार्यालय - 396 220
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/323 DATE:- 17/07/2026

No.BBA-POLY/MBA&B.Pharm(SSR)/2026-27/291
Dated: - 17/07/2026
ADVERTISEMENT
The Principal of Dr. B.B.A. Government Polytechnic, Karad, (Silvassa), invites applications for Admission to MBA & B. Pharmacy Courses at S.S.R. College, Sayli for the year 2026-27 against the reserved quota seats. The detail of advertisement will be available on official website:- www.dnh.gov.in, & www.drbbagpks.org
Start date: - 22/07/2026 from 10:00 AM
End date: - 05/08/2026 upto 5:00 PM

- Sd-
(Lalit V. Solanki)
Principal
Dr. B.B.A. Govt. Polytechnic
Karad(Silvassa)
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/324 DATE:- 17/07/2026

दादरा नगर हवेली और दमन एवं दीव प्रशासन (यू.टी)
प्राचार्य का कार्यालय,
राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, दमण

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, दमन में डिप्री इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर और फार्मेसी सीटों पर प्रवेश के लिए CSAB NEUT 2026 काउंसलिंग प्रक्रिया।
इंजीनियरिंग/आर्किटेक्चर/फार्मेसी में डिप्री सीटों के लिए निर्धारित विवरण शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 से शुरू होगा।
No. 27.1.(iii)-EST-ADTE(Vol-4)/2026-27/399 dated: 15/07/2026

अधिक जानकारी के लिए लॉग ऑन करें: www.csab.nic.in or www.ddd.gov.in / www.govtenggcollegedaman.org.in

- एसडी -
प्राचार्य,
राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, दमण
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/325 DATE:- 17/07/2026

UT ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU
Department of Land Acquisition, Daman
Notification of the Social Impact Assessment

Purpose: Land Acquisition proposal at village Magarwada from Ch 10+200 to Ch. 10+700 in Moti Daman for the work "Upgradation & Widening of NH-848B from Ch. 8+180 to Ch. 12+000 and Ch. 14+100 to Ch. 20+300 in Daman (Length 10.02 Km.)

Social Impact Assessment (Section 4 & Rule 3) of the RFCTLARR, Act 2013

For details please scan or visit https://ddd.gov.in/

No. 3/148/LND-ACQ/2026-27/1871 Dated 17.07.2026.
Village Magarwada, Nani Daman
Area of acquisition 4504.00 Sq. mtrs.

The Land Acquisition Collector, Daman
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/326 DATE:- 17/07/2026

असली आज़ादी

शनिवार 18, जुलाई 2026, दमण।

हरित ऊर्जा क्रांति का ऐतिहासिक शंखनाद

विनोद कुमार सिंह

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है।

जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन स्टीम से डीजल,डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन -भारतीय रेल ने रचा विकास का स्वर्णिम इतिहास...

भारतीय रेल केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का विशाल नेटवर्क नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक शक्ति,सामाजिक समरसता,राष्ट्रीय एकता और तकनीकी प्रगति का सबसे सशक्त प्रतीक भी है।लगभग डेढ़ सौ वर्षों से अधिक की अपनी गौरवशाली यात्रा में भारतीय रेल ने अनेक ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं।स्टीम इंजन से प्रारम्भ हुई यह यात्रा डीजल और फिर विद्युत इंजनों तक पहुँची,और अब भारत हरित ऊर्जा के उस नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है,जहाँ रेलगाड़ियाँ जीवाश्म ईंधन नहीं,बल्कि स्वच्छ हाइड्रोजन ऊर्जा के सहारे आगे बढ़ेंगी।हरियाणा के ऐतिहासिक नगर जींद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाया जाना केवल एक नई रेल सेवा का शुभारम्भ नहीं,बल्कि विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और हरित भारत के साझा संकल्प का उद्घोष है।यह क्षण भारतीय रेल के इतिहास में उसी प्रकार स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा,जैसे कभी पहली रेलगाड़ी के संचालन, राजधानी एक्सप्रेस,शताब्दी, मेट्रो अथवा वंदे भारत ट्रेनों के शुभारम्भ को याद किया जाता है।

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अतीत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की वैज्ञानिक सोच का यह अद्भुत संगम जींद को राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करता है।रेलवे की दृष्टि से भी जींद का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।उत्तर रेलवे का यह प्रमुख जंक्शन वर्षों से हरियाणा,दिल्ली,पंजाब और राजस्थान को जोड़ने वाला रणनीतिक रेल केंद्र है।बदलते समय के साथ इसका आधुनिकीकरण हुआ और अब यही जंक्शन भारत की हरित रेल क्रांति का प्रारम्भिक केंद्र बन गया है।भारतीय रेल ने पिछले एक दशक में परिवर्तन की ऐसी गति देखी है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन, समर्पित माल गलियारे (ॐ्रँ३ी ऋ्श्रँ३ उड्ड११ड्डि१२),कवच जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली,अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास,लगभग सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा डिजिटल यात्री सेवाओं ने रेलवे की कार्यसंस्कृति और छवि दोनों को बदल दिया है।अब हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन यात्रा का अगला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आई है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक भविष्य के स्वच्छ परिवहन की आधारशिला मानी जा रही है।इस तकनीक में डीजल का उपयोग नहीं होता। ईंधन सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है,जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता; केवल जलवाष्प निकलती है।यही कारण है कि इसे 'जीरो एमिशन ट्रांसपोर्ट' की दिशा में सबसे प्रभावी तकनीकों में शामिल किया जाता है।यूरोप,जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं।ऐसे समय में भारत का स्वदेशी तकनीक और अपनी इंजीनियरिंग क्षमता के बल पर इस क्षेत्र में प्रवेश करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की सक्रिय भागीदारी का संकेत भी है।भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे तकनीकी विशेषज्ञों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है।चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में विकसित इस ट्रेन में अत्याधुनिक हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणाली स्थापित की गई है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग अवसंरचना इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं,बल्कि उनका विकास, निर्माण और संचालन करने वाला अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जींद में स्थापित हरित हाइड्रोजन संयंत्र इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण आधार है।यहाँ स्थापित एक मेगावाट क्षमता का इलेक्ट्रोलाइजर प्रतिदिन लगभग 420 किलोग्राम हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है। लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन भंडारण की व्यवस्था तथा आधुनिक रिफ्यूलिंग प्रणाली इस परियोजना को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाती है।यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य रेल मार्गों पर भी विकसित किया जा सकता है।यह परियोजना केवल रेलवे तक सीमित नहीं है।इसके माध्यम से भारत हरित हाइड्रोजन मिशन को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है,तब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था भारत को वैश्विक नेतृत्व की नई भूमिका प्रदान कर सकती है।हाइड्रोजन ट्रेनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन्हें उन रेलमार्गों पर भी संचालित किया जा सकता है जहाँ विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से कठिन है।इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पर्यावरण अनुकूल रेल सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी।साथ ही डीजल पर निर्भरता कम होने से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ऊर्जा आयात पर निर्भरता भी घटेगी।यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की सफलता का भी सशक्त उदाहरण है।जिस तकनीक को कभी केवल विकसित देशों की उपलब्धि माना जाता था,आज वही तकनीक भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के हाथों विकसित होकर भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ रही है।इससे यह संदेश भी जाता है कि भारत अब केवल तकनीक खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों का निर्माण और निर्यात करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में रेलवे के आधुनिकीकरण को राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाया है। रेलवे के लिए रिकॉर्ड पूंजीगत निवेश,नई उत्पादन इकाइयों का विस्तार, स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा, हरित ऊर्जा का उपयोग तथा यात्री सुविधाओं में व्यापक सुधार उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं।हाइड्रोजन ट्रेन इसी परिवर्तनकारी दृष्टि का नवीनतम अध्याय है।इस परियोजना का प्रभाव केवल पर्यावरण या परिवहन तक सीमित नहीं रहेगा।हाइड्रोजन उत्पादन,भंडारण, परिवहन,रखरखाव और अनुसंधान से जुड़े नए उद्योग विकसित होंगे। हजारों कुशल तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में हाइड्रोजन ऊर्जा पर अनुसंधान को नई गति मिलेगी।भारतीय उद्योगों के लिए भी अत्याधुनिक ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

हरित ऊर्जा की दिशा में भारत पहले ही सौर, पवन,जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे का इस परिवर्तन का नेतृत्व करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय रेल विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन नेटवर्कों में से एक है।यदि इतना विशाल नेटवर्क स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर होता है तो उसका सकारात्मक प्रभाव केवल भारत ही नहीं,बल्कि वैश्विक जलवायु प्रयासों पर भी पड़ेगा।जींद से प्रारम्भ हुई यह यात्रा केवल एक रेलगाड़ी की यात्रा नहीं है।यह उस नए भारत की यात्रा है,जो परम्परा और आधुनिकता,विज्ञान और संस्कृति,विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए भविष्य की ओर आत्मविश्वास से बढ़ रहा है।स्टीम से डीजल, डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन तक पहुँची भारतीय रेल की यह विकासगाथा बताती है कि परिवर्तन ही प्रगति का सबसे बड़ा आधार है।निस्संदेह, जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आने वाले वर्षों में केवल एक तकनीकी उपलब्धि के रूप में नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक क्षण के रूप में याद की जाएगी जब भारतीय रेल ने हरित ऊर्जा क्रांति का शंखनाद किया और विकसित भारत की दिशा में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख दिया।यह केवल रेलवे की सफलता नहीं,बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं,वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का साकार रूप है। आने वाले समय में जब देश के विभिन्न रेलखंडों पर हाइड्रोजन ट्रेनें नियमित रूप से दौड़ेंगी, तब इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि हरित भारत की इस नई यात्रा का प्रथम उद्घोष हरियाणा की पावन धरती जींद से हुआ था।

संपादकीय

जन्मदर में गिरावट

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेंड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से ह्यदो बच्चोंह्न से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी ह्यसैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट-2024ह्न शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के ह्यरिप्लेसमेंट लेवलह्न से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली- 1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दशार्ता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं- ह्यसबके लिए एक ही जनसंख्या नीतिह्न की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है।

चिंतन-मनन

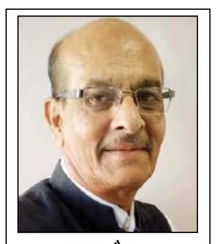

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

सोनम वांगचुक को नहीं बना पा रहे हैं अन्ना?

सनत जैन

नीट परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कह देने के बाद रातों-रात कॉकरोच जनता पार्टी बन गई। करोड़ों लोग उसके सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ गए। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी पेपर लीक मामले और पर्यावरण को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में कॉकरोच पार्टी के अभिजीत दिपके के साथ अनशन पर बैठ गए। अनशन स्थल पर कॉकरोच पार्टी ने छात्र संघ के नेताओं को अपने मंच पर नहीं बैठने दिया। उन्हें अलग मंच दिया गया। जिस तरह की आक्रामकता के साथ आंदोलन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ होता है, वैसा माहौल जंतर-मंतर में देखने को नहीं मिला। ऐसा लगा, यह एक सरकारी प्रायोजित आंदोलन है। जब युवाओं की भीड़ नहीं जुटी। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को आमरण अनशन की घोषणा करनी पड़ी। आंदोलन में भीड़ नहीं जुट रही थी, भीड़ जुटाने के लिए अन्ना आंदोलन जैसी पुनरावृत्ति की कोशिश की गई। ऐसा लगा कि वांगचुक के अनशन के बाद युवाओं की भारी भीड़ जंतर-मंतर पर एकजुट होगी। जिस तरह से यह आंदोलन शुरू हुआ, प्रारंभ से ही इसकी विश्वसनीयता को लेकर छात्रों और युवाओं को वह विश्वास नहीं हुआ, जो उन्हें होना चाहिए था। सरकार और पुलिस ने जिस तरह से आंदोलनकारी नेता के साथ सहानुभूति बरती। आंदोलन के नाम पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफा और परीक्षाओं में सुधार को लेकर जो आंदोलन शुरू होना था। उसके स्थान पर आंदोलनकारी सरकार के खिलाफ आंदोलन जंतर-मंतर खड़ा करने के स्थान पर विपक्षी दलों पर निशाना साधने लगे। राहुल गांधी अनशन स्थल पर क्यों नहीं आए, विपक्ष के नेता क्यों नहीं आ रहे हैं? विपक्ष के खिलाफ एक मुहिम चलाई गई, जिसने आंदोलन की कलई खोल दी है। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक दीपके पूर्व में आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। सोनम वांगचुक ने धारा 370 और नई शिक्षा नीति को लेकर सरकार की सराहना की थी। वांगचुक की धर्मेंद्र प्रधान के साथ फोटो भी है। जिसके कारण यह आंदोलन खड़ा होने के पहले ही एक तरह से बिखरने लगा। जंतर-मंतर में जिस तरह से इस आंदोलन को गति मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल पाई। आंदोलनकारी दिल्ली पुलिस के पैरों में गिरकर गिड़िगडा रहे थे। राहुल गांधी और विपक्ष को जिस तरह से मीडिया द्वारा निशाने पर लिया गया। उससे सारे देश में एक संदेश गया। राहुल गांधी के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता थे, पुलिस उन पर सख्ती कर रही थी। जो परीक्षा के पेपर लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे थे। जिस तरह से देश में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सरकार के लिए एक चुनौती बने हुए हैं। राहुल गांधी को निशाने पर रखकर सोनम वांगचुक को, अन्ना आंदोलन की तर्ज पर स्थापित करने की कोशिश की गई, वह कोशिश कामयाब होती हुई नहीं दिख रही है। भ्रष्टाचार आंदोलन को लेकर अन्ना आंदोलन से ठगे गए देश के करोड़ों लोग इस आंदोलन पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। युवाओं के बीच में यह संदेश गया, आंदोलनकारी सरकार से लड़ने की बजाय सरकार से निवेदन कर रहे हैं।

18 दिन हो चुके, अभी तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। शिक्षा नीति और पेपर लीक मामले में आंदोलनकारी और सरकार चुप्पी साधे हुए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी अपना मंच छात्र नेताओं के साथ साझा नहीं कर रही है। ऐसी स्थिति में आंदोलन खड़ा होने के पहले ही बिखरता हुआ नजर आया है। सोनम वांगचुक के अनशन को खत्म कराने के लिए सारे विपक्षी दल उनसे निवेदन कर रहे हैं। वह अपना अनशन त्याग दें। राहुल गांधी और विपक्षी दलों के नेताओं ने भी मांगों को समर्थन देते हुए संसद में लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस पार्टी और उनके कार्यकर्ता पेपर लीक मामले में जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आंदोलन थमा नहीं है। राहुल गांधी स्वयं छात्रों के पास जाकर उनकी बातों को सुन रहे हैं। छात्रों के साथ कोटा और देहरादून में जो संवाद होगा, उसके आधार पर वह संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सक्रिय रहेंगी। पत्रकारों, संपादकों और शिक्षाविदों के बीच वर्तमान आंदोलन पर एक राय जरूर बनती हुई दिख रही है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में अन्ना आंदोलन खड़ा किया गया था। अन्ना आंदोलन से मनमोहन सरकार विदा हो केन्द्र में मोदी और दिल्ली में केजरीवाल की सरकार बन गई थी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो वर्तमान मोदी सरकार के विरोध में खड़े हुए हैं। कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन, विपक्ष को समाप्त करने के लिए एक षड्यंत्र के तहत खड़ा किया जा रहा है? आंदोलन से जुड़े हुए जो लोग हैं, उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए विपक्षी दल इस मंच से दूरी बनाए हुए हैं। कहते हैं, दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। कुछ यही स्थिति इस आंदोलन की होती हुई दिख रही है। कॉकरोच जनता पार्टी और सोनम वांगचुक को जो लड़ाई सरकार के खिलाफ लड़नी थी, वह सरकार से ना लड़कर विपक्ष के साथ लड़ रहे हैं। जिसके कारण यह आंदोलन भटक गया है। जेन-जी के युवा इस आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हो पा रहे हैं। सोनम वांगचुक को आगे रखकर जेन-जी को भटकाने-अटकाने के लिए इस आंदोलन की जो पटकथा लिखी गई थी, वह अब सफल होती हुई नहीं दिख रही है।

मंदिरों में भ्रष्टाचार: वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है- वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में ह्यसमान मन्दिर दर्शन नीतिह्न लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। ह्यराष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोगह्न जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

कांगो के जंगल में मिली नई बंदर प्रजाति : 75 साल में अफ्रीका की पांचवीं खोज

लोमामी , एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के लोमामी नेशनल पार्क में रहने वाले काले फर और गुलाबी-नारंगी होंठ वाले दुर्लभ बंदर को वैज्ञानिकों ने नई प्रजाति के रूप में मान्यता दी है। आनुवंशिक अध्ययन, ऑडियो रिकॉर्डिंग और फोटोग्राफी के आधार पर इसकी पुष्टि की गई। नई प्रजाति का वैज्ञानिक नाम कोलोबस कांगोएन्सिस रखा गया है। इस बंदर को पहली बार 2008 में संरक्षणकर्मियों ने देखा था, लेकिन उस समय केवल धुंधली तस्वीर ही मिल सकी। 2018 में दोबारा दिखने के बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, अमेरिका और जर्मनी के वैज्ञानिकों की टीम ने इसका विस्तृत अध्ययन शुरू किया। डीएनए विश्लेषण और अन्य वैज्ञानिक जांच में यह पहले से ज्ञात सभी प्रजातियों से अलग पाया गया। स्थानीय लोग इसे 'लिक्वेली' नाम से जानते हैं। 52 गांवों में किए गए सर्वे के दौरान केवल आठ गांवों के लोगों ने इसे देखने की पुष्टि की। वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले 75 वर्षों में अफ्रीका में खोजी गई यह पांचवीं नई बंदर प्रजाति है। यह कोलोबस समूह का सदस्य है, जिनमें अंगूठा नहीं होता और जो जंगलों में बीजों के प्रसार तथा वन पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला, दो पुलिसकर्मियों की मौत, 34 जख्मी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत एक बार फिर दहल उठा है। बुधवार को यहां दो अलग-अलग इलाकों में बड़े आतंकी हमले हुए। पहले हमले में आतंकियों ने बन्नू जिले के मिरियान पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया। वे बारूद से भरी गाड़ी लेकर थाने में घुसने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन सुरक्षा बलों ने मुस्तैदी दिखाई और गाड़ी को रास्ते में ही गोलियों से उड़ा दिया। इस मुठभेड़ में चार हमलावर मारे गए। हालांकि, इस भीषण धमाके और गोलीबारी में 15 पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से 10 की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। दूसरा हमला लोअर दीर जिले के लदाम टॉप इलाके में हुआ। यहां आतंकियों ने पहले से घात लगाकर पुलिस के एक काफिले पर धावा बोल दिया। आतंकियों ने पुलिस की गाड़ियों पर हैंड ग्रेनेड फेंके और फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस अचानक हुए हमले में 2 पुलिसकर्मी मौके पर ही बलिदान हो गए, जबकि 19 अन्य जवान घायल हुए हैं। उपद्रवियों ने पुलिस की दो गाड़ियों को आग के हवाले भी कर दिया। दोनों ही घटनाओं के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और हमलावरों की तलाश में बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

लीबिया तट के पास प्रवासियों से भरी नाव पलटी, 50 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका, 10 ने तैरकर बचाई जान

त्रिपोली, एजेंसी। उत्तर अफ्रीकी देश लीबिया के पूर्वी तट के पास एक बार फिर बड़ा समुद्री हादसा हुआ है। यूरोप जा रहे करीब 60 प्रवासियों से भरी एक नाव समुद्र में पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 50 प्रवासियों के मारे जाने या लापता होने की आशंका है। लापता लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तटरक्षक बलों के मुताबिक, यह हादसा मंगलवार को टोब्रुक शहर के पास बारदा द्वीप के करीब हुआ। नाव डूबने के बाद 10 प्रवासी किसी तरह तैरकर द्वीप तक पहुंचे और अपनी जान बचाई। लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। अफ्रीका और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और गरीबी से तंग आकर लोग बेहतर जिंदगी की तलाश में यूरोप भाग रहे हैं। साल 2011 में मुअम्मर गद्दाफी के तख्तापलट के बाद से लीबिया में अराजकता का माहौल है। इसके बावजूद यह देश प्रवासियों के लिए यूरोप जाने का सबसे बड़ा ट्रांजिट पॉइंट बना हुआ है। मानव तस्कर अक्सर प्रवासियों को असुरक्षित और छोटी नावों में ठूंस-ठूंस कर भर देते हैं, जिससे ऐसे हादसे आम हो गए हैं। पिछले महीने भी लीबिया तट पर 51 लोग लापता हो गए थे। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 1 जनवरी से 16 मई के बीच ही इस समुद्री रास्ते पर 800 से ज्यादा प्रवासी अपनी जान गंवा चुके हैं या लापता हुए हैं।

अमेरिकी सेना ने ईरानी ठिकानों पर 90 मिनट तक जारी रखा हमला

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हमलों का दौर एक बार फिर से शुरू हो चुका है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार सुबह (भारतीय समयानुसार) कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान पर स्थानीय समयानुसार बुधवार को 90 मिनट तक ताबड़तोड़ हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हमले की जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'दोपहर 3 बजे (स्थानीय समय) पर अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ हमलों की दूसरी लहर के लिए ऑपरेशन शुरू किया। हमले ईरानी सैन्य क्षमताओं को टारगेट कर रहे हैं जिनका इस्तेमाल होर्मुज स्ट्रेट से आसानी से गुजरने वाले जहाजों को धमकाने के लिए किया जाता है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को (स्थानीय समय) अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा था कि उसने सुबह 6 बजे ईस्टर्न टाइम पर ईरान के खिलाफ हमलों का दौर शुरू किया था।

अमेरिका ने ईरान पर 90 मिनट तक हमलों का राउंड जारी रखा। इस दौरान अमेरिकी सेना ने ग्रेटर टुंब आइलैंड में कोस्टल डिफेंस सिस्टम और क्रूज मिसाइल स्टोरेज और लॉन्च साइट्स पर सटीक हमले किए।

हालांकि, ईरान ने भी अमेरिकी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। ईरान खाड़ी देशों में अमेरिकी संपत्तियों और बेसों को निशाना बना रहा है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बुधवार को कहा कि उसने बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए, जिसमें उनके सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर, एयरक्राफ्ट शेल्टर, खास कमांड सेंटर और रणनीतिक ड्रोन पर हमला किया गया।

आईआरजीसी ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमले के जवाब में जॉर्डन के अल-अजराक में अमेरिकी सैन्य बेस को निशाना बनाया। ईरान की आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बताया कि हमले में वे शेल्टर तबाह हो गए जिनमें यूएस एफ-15, एफ-16 और एफ-35 फाइटर जेट और बेस पर तैनात कई एमक्यू-9 रणनीतिक ड्रोन थे। आईआरजीसी ने दावा किया कि जॉर्डन में अमेरिकी बेस से ईरान के खिलाफ काफी हमले किए गए। हमलों के बाद ईरान ने जॉर्डन के लोगों से अपने देश में अमेरिकी फोर्स की मौजूदगी खत्म करने और अपने इलाके को इस्लामिक देशों और फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ हमलों के लिए लॉन्चपैड के तौर पर इस्तेमाल होने से रोकने की अपील की।

आईआरजीसी ने जॉर्डन के लोगों से अमेरिकी संस्थानों को तबाह करने और जॉर्डन से कब्जा करने वाली अमेरिकी सेना को निकालने के हर अवसर का फायदा उठाने की भी अपील की। वहीं, दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'ईरान ने एक अमेरिकी नागरिक को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है, जिसे दिसंबर 2024 में जो बाइडेन के कार्यकाल में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। वह अब सुरक्षित रूप से ईरान से बाहर है और अच्छी हालत में है। संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के इस अच्छी मंशा से किए गए काम की सराहना करता है। आईआरजीसी ने कहा कि उसकी नौसेना ने बहरीन में अमेरिका के पांचवें फ्लीट की सुविधाओं पर हमला किया, जिसमें एनएसआई मैनेजमेंट सेंटर, मिलिट्री पार्ट्स और उपकरण रखने वाले बड़े वेयरहाउस, कमांड और कंट्रोल सेंटर और फ्यूल स्टोरेज सुविधाओं को टारगेट किया गया। आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, ये हमले अमेरिका के हिंद महासागर में अपनी नौसैनिक बलों को तैनात करने और होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण करने के बहाने समुद्री रास्तों को ब्लॉक करने के जवाब में किए गए। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में फिर से अपने नौसेना की नाकाबंदी शुरू कर दी। इसके बाद अमेरिकी नौसेना ने मंगलवार को ईरान के खिलाफ कई हमले किए। अमेरिकी सेना ने मंगलवार देर रात कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट और ईरानी तटीय इलाकों के पास मिसाइल और ड्रोन साइट्स, नौसेना की क्षमताओं और कोस्टल डिफेंस सिस्टम्स समेत दर्जनों मिलिट्री टारगेट्स पर सात घंटे तक हमला किया।

चीन के गुआंग्शी में बाढ़ से 39 लोगों की मौत, नौ लापता

बीजिंग , एजेंसी। चीन के गुआंग्शी में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से तबाही मची है। अब तक इस क्षेत्र में 39 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 9 अन्य लोग लापता हैं। चीनी अधिकारियों ने गुरुवार को बाढ़ के हालातों की जानकारी दी। अधिकारियों ने बाढ़ नियंत्रण और आपदा राहत पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मरने वालों में क्षेत्रीय राजधानी नाननिंग में एक बड़े डैम के टूटने से हुई मौतें भी शामिल हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार को चीन के जिलिन प्रांत में भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ को देखते हुए अधिकारियों ने आपातकालीन बाढ़ प्रतिक्रिया स्तर को लेवल-4 से बढ़ाकर लेवल-3 कर दिया।

टाइफून बावी के प्रभाव से जिलिन में लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते सोंगहुआ नदी के जिलिन खंड में इस साल की पहली बड़ी बाढ़ दर्ज की गई है। मेइहे नदी, जो हुइफा नदी की एक सहायक नदी है, में जल स्तर हाइड्रोलॉजिकल रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। अनुमान है कि पूरी हुइफा नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर चला जाएगा। साथ ही, नदियों में बाढ़, पहाड़ी क्षेत्रों में फ्लैश फ्लड, भूस्खलन जैसी भू-वैज्ञानिक आपदाओं, छोटे और मध्यम आकार के डैम में आपात स्थिति और शहरों में जलभराव का खतरा भी बना हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ नियंत्रण की स्थिति अभी भी गंभीर और जटिल बनी हुई है। इसी बीच, चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि शुक्रवार तक उत्तर-पश्चिम चीन के पूर्वी हिस्सों में हल्की से भारी बारिश का अनुमान है। साथ ही मध्य शानक्सी प्रांत और मध्य व दक्षिणी शानक्सी प्रांत के कुछ हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

इस दौरान येलो नदी और उसकी कई सहायक नदियों (वेइहे, फेनहे और चिनहे नदियां) में जलस्तर बढ़ने की संभावना है।

हांगकांग में 5 बुकसेलर्स गिरफ्तार: सरकार विरोधी 'देशद्रोही' किताबें बेचने का आरोप

हांगकांग , एजेंसी। हांगकांग में सरकार विरोधी 'देशद्रोही' सामग्री वाली किताबें बेचने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा पुलिस ने पांच बुकसेलर्स को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने दो बुकस्टोर्स पर छापेमारी कर बड़ी संख्या में किताबें जब्त की हैं। अधिकारियों का दावा है कि इन पुस्तकों में हांगकांग सरकार, न्यायपालिका और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ नफरत भड़काने वाली सामग्री थी। सरकार के मुताबिक, कस्टम विभाग ने विदेश से आई कथित देशद्रोही किताबों की एक खेप पकड़ी थी। इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा पुलिस ने जांच शुरू की और दो बुकस्टोर्स में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 37 और 57 साल के दो पुरुष तथा 30 से 59 साल की तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि दुकानों में ऐसी किताबें प्रदर्शित और बेची जा रही थीं, जिनका उद्देश्य सरकार और सरकारी संस्थानों के खिलाफ लोगों को उकसाना था। तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में कथित देशद्रोही सामग्री वाली किताबें भी जब्त की गईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कार्रवाई 'हैव अ नाइस स्टे' और 'ग्रीनफील्ड बुकस्टोर' में हुई।

पीएम मेलोनी ने पाकिस्तानी मूल की लड़की की हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले का किया स्वागत, बोलीं- 'महिलाओं की आजादी नकारना मंजूर नहीं'

रोम , एजेंसी। इटली में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है जो कथित सांस्कृतिक या धार्मिक वजहों के नाम पर एक महिला की आजादी, उनका सम्मान और उनके अस्तित्व को नकारने की मंशा रखते हैं। इसका ताजा उदाहराण पाकिस्तान मूल की 18 साल की समन अब्बास की हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले के दौरान देखने को मिला। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी इस मामले में कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने पाकिस्तान मूल की समन अब्बास की उसके माता-पिता द्वारा की गई हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मेलोनी ने लिखा, 'समन अब्बास की हत्या के आखिरी फैसले के साथ, एक दर्दनाक कानूनी कहानी खत्म हो गई है। इटली में पाकिस्तानी मूल की एक जवान लड़की समन को उसके माता-पिता और कुछ रिश्तेदारों ने मार डाला, क्योंकि उसने जबरदस्ती शादी का विरोध किया था और अपना भविष्य खुद चुनने के अपने अधिकार पर जोर दिया था।' उन्होंने लिखा कि कोई भी फैसला उसकी जिंदगी वापस नहीं ला सकता, लेकिन यह सही है कि इस जुर्म के लिए जिम्मेदार लोगों को दोषी ठहराया गया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने शख्त हिदायत देते हुए कहा, 'इटली में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है जो तथाकथित सांस्कृतिक या धार्मिक वजहों के नाम पर एक महिला की आजादी, इज्जत और जिंदगी को नकारने की हिम्मत करते हैं। ये ऐसे सिद्धांत हैं जिनसे कोई समझौता नहीं हो सकता और जिनसे हम कभी पीछे नहीं हटेंगे। मेरी संवेदनाएं समन के साथ हैं। भगवान उन्हें शांति दे। बता दें, समन अब्बास इटली में रहने वाली 18 साल की पाकिस्तानी मूल की लड़की थी।

समन के परिवार ने 2021 में उसकी ऑनर किलिंग (सम्मान के नाम पर हत्या) कर दी थी। मृतिका के परिवार ने पाकिस्तान में उसकी मर्जी के बिना शादी तय कर दी। समन को ये मंजूर नहीं था और वह लगातार इस शादी का विरोध करती रही। इस विरोध का अंजाम उसकी मौत थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समन के परिवार ने उसकी शादी पाकिस्तान में उसके चचेरे भाई के साथ तय की थी। इस दौरान समन नाबालिग थीं और उन्होंने शादी से इनकार करने के बाद इटली में सोशल सर्विस डिपार्टमेंट से मदद मांगी। नवंबर 2020 में उन्हें एक शेल्टर होम भेज दिया गया था। उन्होंने अपने माता-पिता के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन 11 अप्रैल 2021 को वह दोबारा अपने परिवार के पास लौट गईं। साइप्रस मेल की रिपोर्ट के अनुसार, समन अप्रैल 2021 से लापता थी। पुलिस ने घर के पास वाले सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, जिसमें पांच लोग घर से फावड़े, लोहे की रॉड और एक बाल्टी लेकर जाते हुए दिखाई दिए और करीब ढाई घंटे बाद वे वापस लौटे।

तड़पकर नहीं, गरिमा से विदा होंगे मरीज: फ्रांस में इच्छामृत्यु को हरी झंडी, नए कानून में क्या है खास?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में वर्षों से जारी लंबी नैतिक और कानूनी बहस के बाद आखिरकार इतिहास रच दिया गया है। फ्रांस की संसद के निचले सदन 'नेशनल असेंबली' ने इच्छामृत्यु (असिस्टेड डाइंग) से जुड़े एक ऐतिहासिक बिल को अंतिम मंजूरी दे दी है। इस कानून के तहत अब असाध्य बीमारियों से जूझ रहे वयस्क मरीजों को खुद अपनी मर्जी से मौत चुनने के लिए घातक दवाएं लेने की अनुमति होगी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर से तीन साल पहले घोषित किए गए इस कानून पर संसद में 241 के मुकाबले 291 वोटों से मुहर लगी।

क्या मरीजों को दर्द से मुक्ति दिलाएगा यह नया कानून : फ्रांस एक पारंपरिक रूप से कैथोलिक देश रहा है, जहां जीवन के अंतिम क्षणों और इच्छामृत्यु को लेकर लंबे समय से कानूनी, चिकित्सा, नैतिक और धार्मिक सवाल उठते रहे हैं। अब तक वहां डॉक्टरों को केवल मरणासन्न मरीजों को बेहोश रखने की अनुमति थी, लेकिन वे इच्छामृत्यु नहीं दे सकते थे। इस वजह से कई फ्रांसीसी नागरिक इच्छामृत्यु के लिए पड़ोसी देशों का रुख करते थे। इस नए कानून के तहत मरीजों को सख्त शर्तों के साथ चिकित्सीय रूप से सहायता प्राप्त आत्महत्या (मेडिकली असिस्टेड सुसाइड) की अनुमति होगी। इसके तहत मरीज डॉक्टर की ओर से दी गई घातव दवाई का खुद ही सेवन कर सकेंगे। फ्रांस के इस नए कानून की नौ सबसे बड़ी बातें इच्छामृत्यु के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। उसका फ्रांस का नागरिक या कानूनी निवासी होना अनिवार्य है। मरीज को ऐसी गंभीर और लाइलाज बीमारी होनी चाहिए जो जानलेवा हो और वह असहनीय दर्द से गुजर रहा हो। अल्जाइमर जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों से पीड़ित लोग इसके पात्र नहीं होंगे। आवेदन की शुरुआत मरीज को खुद करनी होगी। मेडिकल टीम 15 दिनों के भीतर इसकी समीक्षा करेगी और मरीज को सोचने के लिए कम से कम 2 दिन का समय दिया जाएगा। क्या सांविधानिक चुनौतियों को पार कर पाएगा यह कानून? इस कानून को लेकर फ्रांस में विरोध के स्वर भी तेज हैं। रुढ़िवादी बहुमत वाले ऊपरी सदन (सीनेट) ने इस बिल को खारिज कर दिया था, लेकिन फ्रांस की विधायी व्यवस्था के अनुसार निचले सदन का फैसला अंतिम माना जाता है। अब सीनेट के अध्यक्ष जेरार्ड लार्चर और प्रधानमंत्री सेबेस्तियन लेकोर्नू ने इस बिल को 'सांविधानिक परिषद' के पास भेजने की घोषणा की है। यह परिषद एक महीने के भीतर यह जांच करेगी कि कानून संविधान के अनुरूप है या नहीं। इसके बाद ही यह देश में प्रभावी रूप से लागू होगा। विरोधी संगठन 'अलायंस वीटा' का तर्क है कि मौत को समाधान के रूप में पेश करना मानवीय गरिमा के खिलाफ है और इससे बुजुर्गों व विकलांगों पर दबाव बढ़ेगा।

अमेरिका में भारतीय मूल के शख्स पर हमला

यूटा , एजेंसी। अमेरिका के वैली फेयर मॉल में दोपहर में हुए एक क्रूर हमले में भारतीय मूल के एक मुस्लिम कर्मचारी को चाकू के कई घावों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में जारी किए गए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, संदिग्ध ने पुलिस के सामने साफ रूप से कबूल किया है कि वह पीड़ित की हत्या उसके इस्लामी धर्म के कारण करने का प्रयास कर रहा था।

क्या है पूरा मामला : संदिग्ध की पहचान 48 वर्षीय पीटर माइकल लार्सन के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने सोमवार शाम को एक मॉल के स्टॉल पर पीड़ित सैयद सोहेल उद्दीन से संपर्क किया। हमला करने से पहले, लार्सन ने कर्मचारी से उसकी पहचान के बारे में पूछताछ की।

लड़ाई कैसे शुरू हुई : लूना नुनेज, जो बाद में अस्पताल में पीड़ित से मिलने गई थीं। उनके अनुसार, बातचीत तनावपूर्ण सवालों से शुरू हुई। लार्सन ने कर्मचारी से पूछा, 'वह कहां से है, उसका नाम क्या है और क्या वह मुसलमान है।' झगड़े के तुरंत बाद, लार्सन ने चाकू निकाला और उस व्यक्ति पर बार-बार वार करने लगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हिंसा तभी रुकी जब मॉल में मौजूद साहसी लोगों ने मौके पर पहुंचकर लार्सन को जमीन पर गिरा दिया और उसका हथियार छीन लिया।

पीड़ित के दोस्त ने क्या बताया : भारतीय मूल के उद्दीन इस समय जीवन-मरण के बीच जूझ रहे हैं। उद्दीन के बॉस और करीबी पारिवारिक मित्र अदनान मोहम्मद ने चोटों की भयावहता का बारे में बताया कि उद्दीन के पूरे शरीर पर घाव हैं। एक आपातकालीन टीम उनके दिल की स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रही है। अपने मित्र के बच जाने पर मोहम्मद ने कहा कि उद्दीन का जीवित रहना एक चमत्कार है।

लोगों को ऑनलाइन नफरत भरे संदेश मिल रहे हैं : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हमले के बाद मोहम्मद ने अपनी सुरक्षा की भावना पर पड़े गहरे भावनात्मक आघात को व्यक्त किया। खासकर हमले के बाद के हालात देखने और ऑनलाइन नफरत भरे संदेशों का सामना करने के बाद। मोहम्मद ने बताया, 'मैं एक पिता हूं, और मुझे अपने बच्चों के लिए यहां सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा है।

फिर शुरू हुआ ट्रेड वॉर?: यूएस ने ब्राजील पर लगाया 25% टैरिफ, लूला सरकार ने जताया विरोध, कहा- ये नियम का उल्लंघन

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूटीआर) ने ब्राजील से आयातित कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है। यह फैसला व्यापारिक प्रथाओं की एक साल लंबी जांच के बाद, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत लिया गया है। राष्ट्रपति सिल्वा ने क्या कहा- राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के नेतृत्व वाली ब्राजील सरकार ने अमेरिका पर पलटवार करते हुए इस कदम को द्विपक्षीय संबंधों में एक दुखद मील का पत्थर और बहुपक्षीय व्यापार नियमों का उल्लंघन बताया।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर ने क्या कहा- अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने गुरुवार को कहा, 'व्यापक सार्वजनिक सुनवाई और टिप्पणियों के साथ-साथ ब्राजील के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। इसके बाद, आज अमेरिकी व्यापार विभाग 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत ब्राजील की कुछ वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाकर कार्रवाई कर रहा है।'

अमेरिका ने ब्राजील पर क्यों लगाया टैरिफ : यह कार्रवाई तब हुई है जब अमेरिका ने यह निष्कर्ष निकाला कि ब्राजील की कई व्यापार नीतियां अनुचित और भेदभावपूर्ण हैं, जो अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को काफी हद तक बाधित करती हैं।

अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच में क्या पाया गया है : अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच में यह पाया गया कि डिजिटल व्यापार और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान

सेवाओं, अनुचित, तरजीही टैरिफ, भ्रष्टाचार विरोधी हस्तक्षेप, बौद्धिक संपदा संरक्षण, इथेनॉल बाजार पहुंच और अवैध वनों की कटाई से संबंधित कुछ ब्राजील के उपाय तर्कहीन हैं। अमेरिकी किसानों, श्रमिकों, नवोन्मेषकों और निर्यातकों के वाणिज्य पर बोझ डालते हैं या उसे प्रतिबंधित करते हैं।

ब्राजील सरकार के साथ की बात : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूटीआर) के एक बयान के अनुसार, कार्यालय ने दो सार्वजनिक सुनवाई आयोजित कीं, 360 से अधिक सार्वजनिक टिप्पणियां प्राप्त कीं और अमेरिकी चिंताओं के समाधान की तलाश में ब्राजील सरकार के साथ गहन बातचीत की। ग्रीर ने कहा, 'अनुचित व्यापार प्रथाओं के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक हितों की रक्षा करना राष्ट्रपति ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीतियों का आधार है। चाहे वह राजनीतिक भाषण पर सेंसरशिप लगाने से इनकार करने पर अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों को दंडित करना हो, भ्रष्टाचार विरोधी प्रवर्तन मे ढिलाई बरतना हो, या ब्राजील के किसानों को अमेरिकी किसानों पर लाभ प्राप्त करने के लिए अवैध रूप से काटी गई भूमि का दोहन करने की अनुमति देना हो, ब्राजील की अनुचित व्यापार प्रथाओं ने अमेरिकी श्रमिकों और उत्पादकों को 21 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं वाले इस महत्वपूर्ण बाजार तक पहुँचने से रोक दिया है।

विदेश मंत्री रुबियो ने क्या कहा-अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि आज राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय को अधिकांश ब्राज़ीलियाई आयात पर 25% टैरिफ लगाने का निर्देश दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि ऐसा क्यों किया गया? राष्ट्रपति लूला और उनकी सरकार ने अमेरिका के साथ सद्भावना से बातचीत नहीं की है।' राष्ट्रपति कार्यालय के सामाजिक संचार सचिवालय द्वारा जारी एक कड़े बयान में, ब्राजील ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 को लागू करने के अमेरिकी व्यापार मंत्रालय के निर्णय को अस्वीकार कर दिया।

मौजूदा चैंपियन यू मुंबा की लगातार दूसरी जीत, पुणे जगुआर्स को हराया

पणजी। मौजूदा चैंपियन यू मुंबा टीटी ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन 7 में अपनी शानदार वापसी जारी रखी। मुंबा ने गुरुवार को पणजी के पास तलेइगाओ में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में महाराष्ट्र की प्रतिद्वंद्वी टीम पीबीजी पुणे जगुआर्स को 9-6 से मात देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंच गए।

शुरुआत में कड़े मुकाबले के बाद, यू मुंबा ने कप्तान मानुष शाह और अन्ना हर्सी के शानदार मिक्स्ड डबल्स प्रदर्शन के दम पर बढ़त बनाई। इसके बाद फ्रांस के लिलियन

बार्डेट ने रोमांचक 'गोल्डन प्वाइंट' फिनिश में उमर असर के खिलाफ संयम बनाए रखा और मुकाबले को पुणे की पहुंच से दूर कर दिया।

महाराष्ट्र डर्बी की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक हुई, जिसमें पुणे ने बढ़त बनाई। स्नेहित सुरावज्जुला ने इस सीजन में अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए पहले पुरुष सिंगल्स मैच में मानुष को हराया, जबकि वे एक गेम से पीछे चल रहे थे। यू मुंबा ने हर्सी के जरिए तुरंत जवाब दिया; उन्होंने शांतचित्त प्रदर्शन करते हुए तीन गेम में दिया चितले को हराया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

मिक्स्ड डबल्स में बाजी पूरी तरह पलट गई, जहां मानुष और हर्सी ने शानदार तालमेल दिखाते हुए स्नेहित और पृथिका पावडे को सीधे गेम में हरा दिया, जिससे मौजूदा चैंपियन को अहम बढ़त मिल गई। इसके बाद पुणे की उम्मीदें उमर असर पर टिकी थीं, जिन्होंने लिलियन बार्डेट के खिलाफ पहला गेम जीता, लेकिन फ्रांसीसी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया।निर्णायक मुकाबले में मैच के सबसे यादगार पल देखने को मिले। असर ने 'अराउंड-द-नेट' विनर (जिसे बाद में 'शॉट ऑफ द टाई' कहा गया) से दर्शकों को हैरान कर दिया, लेकिन बार्डेट ने 'गोल्डन प्वाइंट' पर संयम बनाए रखते हुए वापसी पूरी की और यू मुंबा की लगातार दूसरी जीत पक्की की।मुकाबले का नतीजा तय हो जाने के बाद, पावडे ने अनुषा कुटुंबले पर 2-1 से जीत के साथ पुणे के लिए सकारात्मक अंत सुनिश्चित किया। इस जोड़ी ने दूसरे गेम में सीज़न की सबसे लंबी रैली खेली–31-शॉट का आदान-प्रदान–जिसमें पावडे ने टेबल से काफी पीछे से लगातार हमलों का सामना किया और आखिरकार अनुषा ने गलती कर दी। अनुषा ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ 'गोल्डन प्वाइंट' पर तीसरा गेम जीतकर वापसी की।

लॉर्ड्स वनडे के बाद खत्म हो जाएगा रोहित का करियर!

वनडे विश्व कप में चयन को लेकर मिले बड़े संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है।

चयनकर्ताओं की नजर भविष्य पर

पीटीआई के अनुसार, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर इस समय इंग्लैंड दौरे पर टीम के साथ मौजूद हैं। सूत्रों का कहना है कि चयनकर्ता अब 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं। इसी वजह से 39 वर्षीय रोहित शर्मा को आगे की योजनाओं में शामिल किए जाने की संभावना कम है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई सूत्र ने कहा, 'चयनकर्ता यशस्वी जायसवाल को लगातार मौके देना चाहते हैं। उन्होंने तीन पारियों में दो शतक लगाए हैं और टीम प्रबंधन चाहता है कि आगामी लगभग 20 वनडे मैचों में उन्हें पर्याप्त अवसर मिलें।'

सूत्र ने यह भी कहा, 'कोई भी रोहित शर्मा से संन्यास लेने के लिए नहीं कह सकता, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ सितंबर में होने वाली घरेलू वनडे सीरीज से चयनकर्ता भविष्य की टीम तैयार करना चाहते हैं। रोहित के भविष्य पर फैसला उन्हें खुद लेना होगा।'

रोहित के हालिया प्रदर्शन पर सवाल

रोहित शर्मा का हालिया वनडे प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। पिछले आठ वनडे मैचों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 30.1 और स्ट्राइक रेट 88.6 रहा है, जबकि उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है।

विराट कोहली पर भरोसा कायम

पीटीआई के अनुसार, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर विराट कोहली को लेकर एकमत हैं। उनकी मौजूदा फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए कोहली वनडे टीम में स्वतः चयन के दावेदार बने हुए हैं।

टेस्ट संन्यास को लेकर भी मतभेद

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के समय भी चयन समिति और उनके बीच पूरी तरह सहमति नहीं थी। चयनकर्ताओं का मानना था कि रोहित इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के केवल शुरुआती दो मैच खेलने के बाद फैसला लेना चाहते थे, जबकि रोहित के करीबी सूत्रों का दावा है कि उन्होंने पूरी पांच मैचों की सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया था।

अर्जेंटीना का विश्वकप फाइनल तक का सफर पिछले 4 मैचों में आखिरी मिनटों में पलटी बाजी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना ने सिर्फ मैच नहीं जीते, बल्कि कई ऐसे मुकाबले अपने नाम किए जिनमें हार लगभग तय नजर आ रही थी। लियोनल स्कालोनी की टीम ने ग्रुप चरण में तो दबदबे के साथ प्रदर्शन किया, लेकिन असली परीक्षा नॉकआउट में हुई। वहां अर्जेंटीना ने बार-बार साबित किया कि यह टीम आखिरी मिनट तक हार नहीं मानती।

अब मौजूदा विश्व चैंपियन लगातार दूसरे खिताब की तलाश में फाइनल में पहुंच चुका है, जहां उसका मुकाबला यूरोपीय चैंपियन स्पेन से होगा। दिलचस्प बात यह है कि अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम बनकर फाइनल में पहुंची है, जबकि स्पेन ने अब तक सबसे मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया है। अर्जेंटीना अगर विश्वकप जीतती है तो 64 साल में लगातार दो विश्वकप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ऐसा 1934 और 1938 में इटली ने और 1958 और 1962 में ब्राजील ने किया था।

अर्जेंटीना ने अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया पर 3-0 की जीत से की। यह मुकाबला लियोनल मेसी का 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उन्होंने हैट्रिक लगाकर विश्वकप में मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने शुरुआती पेनल्टी गंवाई, लेकिन उसके बाद दो शानदार गोल कर टीम को 2-0 से जीत दिलाई। इसी मुकाबले में वह विश्व कप फाइनल्स के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

जॉर्डन के खिलाफ तीसरे मुकाबले में स्कालोनी ने मेसी को बेंच पर रखा। जियोवानी लो सेल्सो और लॉटारो मार्टिनेज ने बढ़त दिलाई, जबकि मेसी ने मैदान पर उतरने के बाद शानदार फ्री-किक गोल कर 3-1 की जीत सुनिश्चित की। अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे में तीनों मैच जीतकर नॉकआउट में प्रवेश किया।

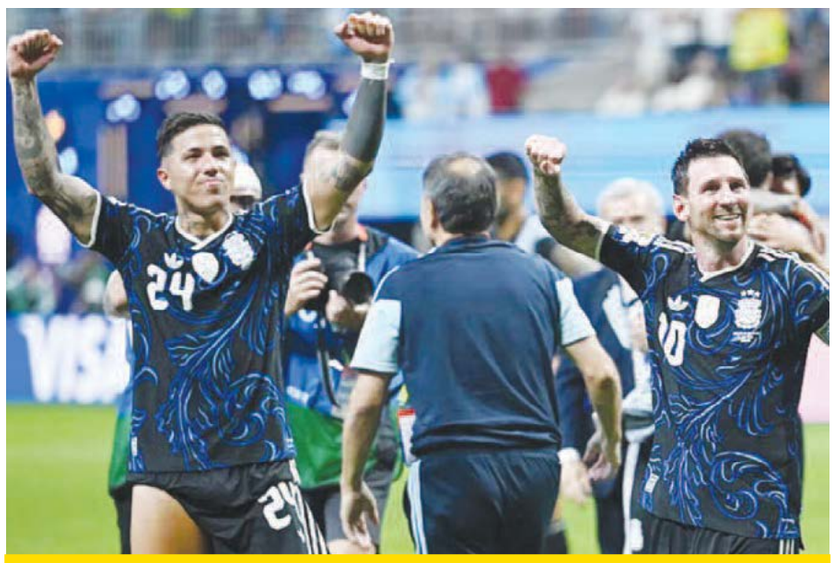

नॉकआउट में शुरू हुई असली परीक्षा

राउंड ऑफ-32 में विश्व कप की पहली बार खेल रही केप वर्डे ने अर्जेंटीना को कड़ी चुनौती दी। मेसी और लिसांद्रो मार्टिनेज के गोल के बावजूद केप वर्डे ने दो बार बराबरी की। जहां 111वें मिनट में मेसी के कॉर्नर पर डिने बोर्गेस के आत्मघाती गोल ने अर्जेंटीना को 3-2 से जीत दिलाई। राउंड ऑफ-16 में मिस्र के खिलाफ मुकाबला और भी नाटकीय रहा। 67वें मिनट तक अर्जेंटीना 0-2 से पीछे था। इसके बाद क्रिस्टियनो रोमेरो ने पहला गोल किया और मेसी ने बराबरी दिला दी। अतिरिक्त समय में एंजो फर्नांडीज के हेडर ने 3-2 की अविश्वसनीय जीत दिलाकर टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

स्विट्जरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ दिखाई मानसिक मजबूती

क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने अर्जेंटीना को कड़ी टक्कर दी। एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने बढ़त दिलाई, लेकिन डैन एनडोए ने बराबरी कर दी। इसके बाद स्विट्जरलैंड के ब्रेल एम्बोलो को रेड कार्ड मिला और अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के गोल से अर्जेंटीना ने 3-1 से जीत दर्ज कर ली। सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बनाई और लंबे समय तक उसे बनाए रखा। लेकिन 85वें मिनट में एंजो फर्नांडीज ने बराबरी कर दी। अर्जेंटीना ने दबाव बनाए रखा और 90+2वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज ने विजयी हेडर लगाकर टीम को लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल में पहुंचा दिया।

आंकड़े बताते हैं कि अर्जेंटीना क्यों सबसे खतरनाक टीम है

अगर अर्जेंटीना के पूरे अभियान का विश्लेषण करें तो उसकी सबसे बड़ी ताकत सिर्फ मेसी नहीं, बल्कि आखिरी मिनट तक लड़ने का जज्बा रहा है। सात में से चार मुकाबलों में टीम ने 70वें मिनट के बाद या अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल किए। नॉकआउट चरण के चारों मैचों में अर्जेंटीना को संघर्ष करना पड़ा। इनमें से तीन मुकाबलों (केप वर्डे, मिस्र और इंग्लैंड) में टीम या तो बराबरी की स्थिति में नहीं थी या हार के बेहद करीब पहुंच चुकी थी, लेकिन फिर भी जीत दर्ज की। दो मुकाबले (केप वर्डे और स्विट्जरलैंड) अतिरिक्त समय तक गए और दोनों में अर्जेंटीना विजेता बनी। मिस्र और इंग्लैंड के खिलाफ जीत पूरी तरह आखिरी 20 मिनट और इंजरी टाइम में तय हुई। यानी अर्जेंटीना की सबसे बड़ी पहचान अब सिर्फ आक्रामक फुटबॉल नहीं, बल्कि दबाव में धैर्य बनाए रखना और आखिरी सीटी तक मुकाबला जीवित रखना बन चुकी है।

अब सबसे बड़ी चुनौती स्पेन

फाइनल में अर्जेंटीना के सामने स्पेन की मजबूत दीवार होगी। जहां अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम रही है, वहीं स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया है। एक ओर मेसी, लौटारो मार्टिनेज, जूलियन अल्वारेज और एंजो फर्नांडीज जैसे मैच विनर हैं, तो दूसरी तरफ स्पेन का अनुशासित डिफेंस और पजेशन आधारित खेल। अगर अर्जेंटीना को लगातार दूसरा विश्व कप जीतना है तो उसे एक बार फिर वही करना होगा, जो उसने पूरे टूर्नामेंट में किया है। दबाव झेलना, सही समय का इंतजार करना और आखिरी मिनटों में मैच अपने पक्ष में मोड़ देना, ये अर्जेंटीना के मजबूत पक्ष रहे हैं। यही वजह है कि स्पेन के सामने सिर्फ मेसी ही नहीं, बल्कि एक ऐसी टीम होगी जिसने पूरे विश्व कप में साबित किया है कि उसके लिए मुकाबला अंतिम सीटी बजने तक खत्म नहीं होता।

फाइनल मुकाबले के लिए मुख्य रेफरी का ऐलान, स्लोवेनिया के अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा ने विश्व कप 2026 के फाइनल मैच के लिए रेफरी के नाम की घोषणा कर दी है। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में स्लोवेनिया के अनुभवी अधिकारी स्लावको विंसिक मुख्य रेफरी की भूमिका निभाएंगे। फीफा के रेफरी प्रमुख पियरलुइगी कोलिना ने इस नियुक्ति पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि विश्व कप फाइनल जैसे बड़े मुकाबले के लिए अनुभवी और योग्य रेफरी का होना बेहद जरूरी है। विंसिक को इस महत्वपूर्ण मैच की जिम्मेदारी मिलना उनके शानदार करियर को दिखाता है।

फीफा के अनुसार, फाइनल में स्लावको विंसिक की सहायता के लिए टोमाज क्लैंचनिक असिस्टेंट रेफरी-1 और एंड्राज कोवाचिक असिस्टेंट रेफरी-2 की भूमिका निभाएंगे। वहीं, अधम मखादमेह चौथे अधिकारी और मोहम्मद अल्कालाफ रिजर्व असिस्टेंट रेफरी होंगे। 46 साल के स्लावको विंसिक का यह पहला बड़ा विश्व कप फाइनल होगा। उन्होंने 2022 में कतर विश्व कप से अपने विश्व कप करियर की शुरुआत की थी, जहां उन्होंने दो मैचों में रेफरी की जिम्मेदारी संभाली थी। फीफा विश्व कप 2026 में भी वह अब तक तीन मैचों में रेफरी रह चुके हैं। फाइनल उनके विश्व कप करियर का छठा मुकाबला होगा।

विंसिक के करियर में कई बड़े मुकाबले शामिल हैं। इनमें यूईएफए 2024 चैंपियंस लीग फाइनल भी शामिल है, जिसमें रियल मैड्रिड और बोरूसिया डॉर्टमुंड आमने-सामने थे। इसके अलावा उन्होंने यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप, विश्व कप क्वालिफायर, यूरोपा लीग, नेशंस लीग और क्लब वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भी रेफरी की भूमिका निभाई है।यह मुकाबला न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार फाइनल का टिकट हासिल किया है। वहीं, स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। स्पेन ने साल 2010 में विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया था। ऐसे में टीम की निगाहें दूसरे खिताब पर होंगी।

डोपिंग में फंसे पाकिस्तान स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने डोपिंग नियमों के

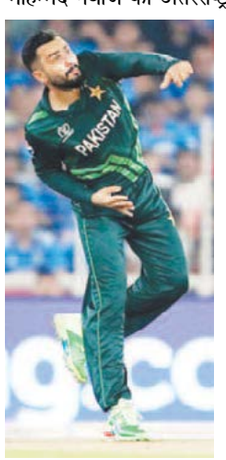

उल्लंघन का दोषी पाया है। आईसीसी ने शुक्रवार को उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित करने का फैसला सुनाया। हालांकि, यदि नवाज आईसीसी द्वारा निर्धारित नशा मुक्ति कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तो उनकी सजा घटकर एक महीने रह जाएगी। 32 वर्षीय नवाज का डोप टेस्ट सात फरवरी को टी20 विश्व कप में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच खेले गए मैच के बाद लिया गया था। उस समय टूर्नामेंट की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे थे, लेकिन आईसीसी की व्यवस्था के तहत पाकिस्तान अपने मुकाबले श्रीलंका में खेल रहा था। डोप टेस्ट में उनके शरीर में कार्बोक्सी-टीएचसी पाया गया। यह कैनाबिस (गांजा) के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक निष्क्रिय मेटाबोलाइट है। इसका उपयोग खेल प्रदर्शन बढ़ाने के लिए नहीं माना जाता।

सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू, क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं ले सकीं ओकुहारा

टोक्यो, एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन वह चोट के कारण मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं। यह इस सीजन में सिंधू का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वह मलयेशिया सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलिया सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

सीजन का पहला खिताब जीतने पर नजरें

इसके साथ ही, 2023 डेनमार्क ओपन के बाद यह उनका पहला सुपर 750 सेमीफाइनल है। 31 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू की निगाहें इस सीजन का पहला खिताब जीतने पर होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले में उनका सामना टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की विश्व की नंबर 4 चीनी खिलाड़ी चेन युफेई से होगा। सिंधू और चेन युफेई के बीच अब तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हालांकि, हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सिंधू उनसे 6-8 से पीछे हैं।

युफेई के खिलाफ अच्छा नहीं है सिंधू का रिकॉर्ड

सिंधू को युफेई के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में जीत न केवल सिंधू के हारने के इस सिलसिले को खत्म करेगी, बल्कि लगभग तीन साल में उनके पहले सुपर 750 फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब भारत की एकमात्र दावेदार हैं। सिंधू ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान युए को सिर्फ 35 मिनट में हराया था। उन्होंने हान को सीधे गेम में 21-16, 21-14 से मात देते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था। इस साल 28 वर्षीय चेन युफेई ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीता, जबकि थाईलैंड और मलयेशिया में हुए सुपर 500 टूर्नामेंट में फाइनल में भी जगह बनाई थी। इसके अलावा, युफेई ने सिंगापुर और भारत में खेले गए सुपर 750 टूर्नामेंट में भी सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। वह मलयेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड जैसे प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट में भी अंतिम चार में पहुंची थीं।

फिल्म निर्माण में उतरेंगी सना सईद, शेयर किया 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री सना सईद ने बतौर फिल्म निर्माता अपनी पहली फीचर फिल्म 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट पूरा होने पर जश्न मनाया। उनको ड्राफ्ट (कहानी या स्क्रिप्ट का प्रारंभिक मसौदा) मिल गया है। सना सईद 'बियॉन्ड मैजिक स्टूडियोज' के तहत एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री इस फिल्म में एक्टिंग भी करेंगी। सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए सना ने कहा कि हाथ में स्क्रिप्ट पकड़ने से उन्हें फिल्म बनाने का अपना सपना आखिरकार 'बहुत असली' लगा। 'कुछ कुछ होता है' की एक्ट्रेस ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, 'मेरे हाथ में एक फीचर फिल्म के 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट है, जिसे हम मेरी प्रोडक्शन कंपनी, बियॉन्ड मैजिक स्टूडियो के तहत बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म बनाने की दिशा में मेरा पहला कदम है और यह बस शुरुआत है।' उन्होंने कहा, 'फिल्म बनाना बहुत मेहनत का काम है और इसमें बहुत कुछ शामिल है जिसे मैं अभी सीख और समझ रही हूं लेकिन हाथ में यह पहला ड्राफ्ट होना बहुत एक्साइटिंग है। मुझे एक्टिंग पसंद है, लेकिन मुझे फिल्म बनाना भी हमेशा से पसंद रहा है। मैं हमेशा से इसका अंदर से हिस्सा बनना चाहती थी। और इसे हाथ में पकड़ना बहुत असली लगता है। यह बहुत असली लगता है।' सना ने कैप्शन में लिखा, 'जिस चीज पर मैं कुछ समय से चुपचाप काम कर रही थी, वह आज सच हो गई। मुझे एक फीचर फिल्म के लिए अपने 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट मिला। एक स्क्रिप्ट। एक असली स्क्रिप्ट। एक ऐसी फिल्म के लिए जिसमें मैं एक्टिंग करूंगी, जिसे हम सब मिलकर शुरू से बना रहे हैं। जिस चीज का मैंने सपना देखा था, उसे हाथ में पकड़ने पर कैसा महसूस होता है, इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इसलिए मैंने बस अपने फोन पर बात की।

सना सईद अभी लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में रहती हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत मशहूर फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी और बाद में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में नजर आईं। इतने साल में, उन्होंने 'झलक दिखला जा 6,' 'नच बलिए 7,' और 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 7' जैसे पॉपुलर रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया है।

'श्री श्री' के जरिए बड़े परदे पर नजर आएंगे पूजा हेगड़े और दुलकर सलमान

दुलकर सलमान ने अपनी 41वीं फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है। अब तक 'DQ41' के नाम से पहचानी जा रही इस फिल्म का नाम 'श्री श्री' रखा गया है। दुलकर ने सोशल मीडिया पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इसकी अनाउंसमेंट की। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में दुलकर और पूजा हेगड़े खूबसूरत प्राकृतिक वादियों के बीच नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर 'लव विल स्पार्क अगेन' टैगलाइन भी लिखी गई है, जो फिल्म की रोमांटिक थीम की झलक देती है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए दुलकर और पूजा पहली बार बड़े परदे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब जाकर मेकर्स ने इसका नाम सामने रखा है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की कुछ झलकियां साझा की थीं।

धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका में

फिल्म का लेखन और निर्देशन रवि नेलाकुडिटी ने किया है। वहीं इसका निर्माण सुधाकर चेरुकुरी ने एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले किया है। इसमें धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं और म्यूजिक जी.वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म को मल्टी लैंग्वेज पैन इंडिया फिल्म के रूप में 2026 में रिलीज किया जाएगा।

लोग सिर्फ इंडस्ट्री का ग्लैमर देखते हैं

करीब दो दशक से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं अनिता हसनंदानी ने छोटे पर्दे के कई दौर देखे हैं। सास-बहू सीरियल से लेकर ओटीटी तक का बदलाव देखा। बदलती हुई इंडस्ट्री के साथ उन्होंने खुद को भी बदला है। इन दिनों वह टीवी सीरियल 'तुम से तुम तक' में राजनंदिनी का किरदार निभा रही हैं। बातचीत में अनिता ने अपने करियर, टीवी इंडस्ट्री और अपनी बदली हुई सोच पर खुलकर बात की है।

रिश्तों में बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं

सीरियल 'तुम से तुम' में अनिता का किरदार राजनंदिनी अपने मन की बात को खुलकर कहता है। क्या असल जिंदगी में अनीता हसनंदानी भी ऐसी हैं। इस पर वह कहती हैं, 'मैं अपने बारे में ऐसा तो नहीं कहूंगी। मुझे लगता है कि जिंदगी में कोई भी पूरी तरह सॉर्टेड नहीं होता है। हां, मैं अपनी फीलिंग्स को लेकर हमेशा ईमानदार रही हूं। रिश्तों में मुझे बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं। मुझे रिश्तों में साफगोई पसंद है। शायद यही वजह है कि मैं राजनंदिनी से भी तुरंत जुड़ गई। उसके अंदर एक गरिमा है, एक सादगी है।' वह आगे कहती हैं, 'मुझे इस सीरियल में रिश्तों की कई परतें दिखी हैं। कोई भी किरदार परफेक्ट नहीं है और यही बात इसे अलग बनाती है।'

अच्छी कहानियां और काम याद रहता है

सास-बहू से लेकर सुपरनैचुरल और ओटीटी तक, अनिता ने टीवी का हर दौर देखा है। लेकिन किसी ट्रेंड की आलोचना करने के बजाय वह खुद में आए बदलाव की बात करती हैं। अनीता कहती हैं, 'अगर एक चीज वापस नहीं आनी चाहिए, तो वो है खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालना। पहले मैं छोटी-छोटी बातों पर बहुत परेशान हो जाती थी। अब समझ आया है कि प्रोसेस पर भरोसा रखना चाहिए। आखिर में ट्रेंड नहीं अच्छी कहानियां और अच्छा काम ही याद रहता है।'

टीवी इंडस्ट्री को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी क्या है? इस सवाल पर अनिता जवाब देती हैं, 'लोगों को लगता है कि रोज टीवी पर दिखते हैं, तो शायद यह आसान काम होगा। लेकिन इसके पीछे कितनी मेहनत होती है, इसका अंदाजा बहुत कम लोगों को है। लंबे वक्त तक शूटिंग, कम समय में तैयारी और लगातार इमोशनल सीन करना आसान नहीं होता है। लोग ग्लैमर देखते हैं लेकिन उसके पीछे का अनुशासन और मेहनत नहीं।'

कृति सेनन ने बताया क्यों करवाए एग्स फ्रीज

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।

कृति सेनन कहती हैं, 'मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे 'मिमी' फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।' फिल्म 'मिमि' साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

थोड़ा सब्र रखें, हैरान कर देगी 'टॉक्सिक'

यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है। टीजर में दिखाए गए इंटीमेट सीन्स को लेकर कई यूजर्स ने फिल्म की आलोचना की और इसे जरूरत से ज्यादा बोल्ड बताया। कुछ लोगों ने सेंसर बोर्ड को लेकर भी अटकलें लगाईं कि फिल्म के कई सीन काटे जा सकते हैं। इन प्रतिक्रियाओं के बीच फिल्म से जुड़ी एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दर्शकों ने अभी फिल्म देखी ही नहीं है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। हुमा कहती हैं... 'टॉक्सिक में जितनी भी लीड एक्ट्रेसेस हैं, सभी ने शानदार काम किया है। गीतू मोहनदास एक बेहतरीन फिल्ममेकर हैं। उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके काम को पहचान मिली है। जब उन्होंने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मैं इस बात को लेकर उत्साहित थी कि एक महिला निर्देशक इतनी बड़े स्तर की फिल्म कैसे पेश करेंगी। इतनी बड़ी स्टार कास्ट किसी मजबूत कहानी के बिना एक साथ नहीं आती। दर्शकों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए क्योंकि पूरी फिल्म देखने के बाद ही सही तस्वीर सामने आएगी। यह सभी को शॉक्ड कर देगी। यह फिल्म 26 अगस्त को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी।

आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं संचिता बसु

मां के सूट पहनकर 90 के दशक के गानों पर विडियो बनाने वाली भागलपुर (बिहार) की एक लड़की को शायद तब अंदाजा नहीं रहा होगा कि एक दिन लोग उसे उसके असली नाम से 'यादा उसके किरदार 'सान्विका' के नाम से पहचानेंगे। सोशल मीडिया से अभिनय तक का सफर तय करने वाली संचिता बसु आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं। हाल ही में 'ठुकरा के मेरा प्यार' सीजन-2 के लिए संचिता ने हमसे अपने संघर्ष, वायरल होने और अपने किरदार से मिले आत्मविश्वास पर खुलकर बात की।

यह बात बिल्कुल सच है कि मैं अपनी मां के कपड़े पहनकर रील्स बनाती थी। मां ही मेरे विडियोज शूट किया करती थीं। ट्रडिशनल ड्रेस में लोग मेरे विडियोज पसंद करते थे। धीरे-धीरे मैं उसी में ढल गई। मेरी मम्मी सलमान खान की तगड़ी फैन हैं। वह नैशनल एथिलीट रही हैं। उन्होंने अपने कोच के कहने पर सलमान सर की फिल्म साजन और हम आपके हैं कौन थिएटर में देखने के लिए 500 मीटर की दौड़ जाती थीं। मैं नौवीं क्लास में थी, स्कूल से आने से पहले तक मां मेरे लिए 90 'ह्य के गाने सिलेक्ट करके रखती थीं। फिर मैं मां के सूट पहनकर फटाफट 10-12 विडियोज शूट करती थी। मेरी खिड़की से हवा आती थी, बाल उड़ रहे होते थे और मैं विडियोज बनाती थी। यह हमारा रूटीन था। स्कूल में चाहे कितना भी बोरिंग दिन रहा हो, मैं यही सोचती थी कि घर जाकर विडियोज बनाऊंगी।

फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरा रूटीन है

सोशल मीडिया आज छिपे टैलंट को मुकाम दे रहा है। मुझे भी पहला काम (फिल्म फर्स्ट डे, फर्स्ट शो) उसी के जरिए मिला। मैं सोशल मीडिया पर जो विडियोज डालती हूं, उसमें गानों की लिप्सिंग रहती है लेकिन ऐक्टिंग एक अलग प्रकिया है। अपनी आवाज को ऐक्ट के साथ सामने लाना और जिस फील के साथ आप सीन शूट कर रहे हो, लोगों तक पहुंचाना इतना आसान नहीं है। बतौर कलाकार मैं इसका मजा ले रही हूं। फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरी दिनचर्या में शामिल हो गया है क्योंकि मैं अपना क्राफ्ट बेहतर करने की कोशिश में लगी रहती हूं। मैंने थिएटर के लोगों के साथ काम किया है तो उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिला है। मैं चाहती हूं कि लोग बोलें कि मैं अ'छी कलाकार हूं।

बाइक चलाते समय कई बार गिरी

संचिता, सान्विका से बिल्कुल विपरीत है। वह बहुत शांत लड़की है, किसी की बात अगर बुरी भी लग जाए तो भी जल्दी अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करती है। कोने में अकेले जाकर रो लेती है। वहीं, सान्विका बिंदास और बेहद जिद्दी है। उसने मुझे एक स्ट्रेंथ दी है। आज मैं कहीं जाती हूं तो लोग मुझे सान्विका के नाम से बुलाते हैं। 12वीं तक मैं गर्ल्स कॉलेज में पढ़ी थी, उसके बाद 'फर्स्ट डे फर्स्ट शो' की शूटिंग में व्यस्त हो गई तो कॉलेज जाना नहीं हो पाता था। इस किरदार में मुझे कॉलेज लाइफ जीने का मौका भी मिला। मैं जुलाई में अपने ग्रैजुएशन के फाइनल इयर के एग्जाम देने वाली हूं। इस किरदार के लिए ही मैंने बाइक चलाना सीखी। पहले सीजन में बाइक चलाने के दौरान तो मैं कई बार गिरी हूं। हम लोग एक सीक्वेंस शूट कर रहे थे, उस दौरान चार टेक हुए और मैं काफी नर्वस हो गई थी। हर बार ढलान पर बाइक चढ़ाते समय मैं गिर जाती थी। पांचवें टेक में वो शॉट पूरा हुआ था।

पापा से बहुत प्यार करती हूं

हां, यह भी हकीकत है कि मैंने अपने नाम के आगे मां बीना और पापा सुरेंद्र का पहला अक्षर मिलाकर 'बसु' लगाया है। मैं पापा से बहुत प्यार करती हूं। अभी कुछ समय पहले हमारे पटना इवेंट में वह आए थे। मैं उनकी आंखों में आंसू देखकर अपने लिए खुशी देख पा रही थी। मुझे उनको हमेशा गर्व महसूस करवाना है। पापा चाहते थे कि मैं यूपीएससी करूं और मम्मी का सपना था कि मैं डॉक्टर बन जाऊं लेकिन मैं धीरे-धीरे सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मुझे भी नहीं पता था कि मैं कभी इस लाइन को चुनूंगी, बस मुझे मजा आ रहा था। अब यहां काम कर रही हूं तो अपनी जिम्मेदारी का अहसास हो रहा है क्योंकि फैंस आपसे अपेक्षा रखते हैं। मैं ऐसी हूं कि मुझे सोशल मीडिया पर भी लोग ट्रोल नहीं करते हैं।

गुजरात एटीएस जैश-ए-मोहम्मद से कथित तौर पर जुड़े संदिग्धों को किया गिरफ्तार

■ आरोपियों से पूछताछ कर उनके संपर्कों, गतिविधियों की गहन जांच की जा रही

अहमदाबाद,(ईएमएस)। गुजरात एटीएस ने राज्य कई जिलों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित तौर पर जुड़े पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर उनके संपर्कों, गतिविधियों और संभावित नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। एटीएस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खड़ियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन कराडिया उर्फ हसन हैदरपुरी तथा मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में इन सभी पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का शक जताया गया है। एटीएस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। साथ ही उनके मोबाइल फोन, डिजिटल उपकरणों और अन्य दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच भी कराई जाएगी, ताकि किसी संभावित आतंकी मॉड्यूल, फंडिंग नेटवर्क या अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। सुरक्षा एजेंसियों ने राज्य के कई हिस्सों में निगरानी बढ़ा दी है और इस मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का भी खुलासा किया जाएगा। फिलहाल सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है, जबकि जांच एजेंसियां मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल में जुटी हैं।

श्रीनाथजी स्कूल दमण में विद्यार्थी परिषद की शपथ विधि कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 जुलाई। दमण के श्रीनाथजी स्कूल में आज विद्यार्थी परिषद की शपथ विधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। आज कार्यक्रम के दौरान स्कूल के हेड बॉय, वाइस हेड बॉय, हेड गर्ल, वाइस हेड गर्ल, स्पोर्टस कैप्टन, वाइस स्पोर्टस कैप्टन एवं प्रत्येक हाउस के कैप्टन की नियुक्ति की गई। इस दौरान विद्यार्थी परिषद के चुने हुए प्रतिनिधियों को शपथ भी दिलाई गई। इस कार्यक्र म को सफल बनाने के लिए संचालक मंडल की ओर से स्कूल के प्रिंसिपल को अभिनंदन दिया गया।

दमण कोर्ट परिसर के कोर्ट हॉल में कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन आज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 जुलाई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण-दीव के एड-हॉक मेंबर सेक्रेटरी श्री राजेश एस. तिवारी के मार्गदर्शन में 18 जुलाई को सुबह 10 बजे से मोटी दमण कोर्ट परिसर के कोर्ट हॉल में कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण के सहयोग से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सीजेजेडी और जेएमएफसी दमण श्री ओमकार जे. कुलकर्णी और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण दमण की को-मेंबर सेक्रेटरी श्रीमती पी. पी. भारस्कडे-वाघ मुख्य रूप से उपस्थित रहकर कानूनी जानकारी देंगे। इस कार्यक्रम में वकील सीमा हंसराज मध्यस्थ के मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी देंगी। वकील स्मीता गोहिल मध्यस्थता के लाभ के बारे में कानूनी जानकारी देंगी। कार्यक्रम का संचालन वकील मानसी परमार द्वारा किया जाएगा।

सिलवासा न्यायालय में 18 जुलाई को विशेष लोक अदालत का होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 17 जुलाई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिलवासा की ओर से 18 जुलाई 2026 शनिवार को परक्राम्य लिखत अधिनियम (Negotiable Instruments Act) की धारा 138 से संबंधित मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष लोक अदालत जिला न्यायालय सिलवासा परिसर में आयोजित होगी, जिसकी कार्यवाही का शुभारंभ प्रातः 11:00 बजे से किया जाएगा। इस अवसर पर संबंधित पक्षकारों को आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से अपने मामलों का शीघ्र समाधान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिलवासा ने क्षेत्र के सभी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया प्रतिनिधियों से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसकी व्यापक कवरेज करने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालत के माध्यम से उपलब्ध त्वरित एवं सुलभ न्याय व्यवस्था की जानकारी प्राप्त हो सके।

नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के तहत दमण में नोडल शिक्षकों को दी गई ट्रेनिंग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 जुलाई। एंटी-डेंगू मंथ प्रोग्राम के तहत दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम विभाग ने आज दमण के कांफ्रेंस हॉल में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के नोडल शिक्षकों के लिए एक ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. गणेश वर्नेकर ने दमण के इलाकों में वेक्टर से फैलने वाली बीमारियों (खासकर मलेरिया और डेंगू) की मौजूदा स्थिति और ज्यादा जोखिम वाले इलाकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वेक्टर के पनपने और उनके व्यवहार के बारे में भी बताया। साथ ही इंटीग्रेटेड वेक्टर मैनेजमेंट समेत उन्हें कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। कंसल्टेंट विशाल दमलिया ने स्कूलों के लिए प्लानिंग और नोडल शिक्षकों की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने स्कूल लेवल पर की जाने वाली अलग-अलग गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। मलेरिया इंस्पेक्टर हर्षद और फाइलेरिया इंस्पेक्टर मेहुल ने मच्छर के लार्वा, एडीस मच्छर और गैंबूसिया मछलियों का डेमो दिखाया। इस ट्रेनिंग का मुख्य मकसद वेक्टर से फैलने वाली बीमारियों के बारे में आम लोगों तक जागरूकता फैलाना और स्कूल के माहौल को मच्छरों से मुक्त बनाना है।

वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पर दमण में हुआ शौर्यनाद का मंचन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 जुलाई। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर-राष्ट्रीय-मंत्र वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने और महान कवि और नाटककार कालिदास की जयंती (कालिदास दिवस) के पावन अवसर पर भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की संगीत, नृत्य और नाटक की सर्वोच्च राष्ट्रीय संस्था संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली एवं राजकीय महाविद्यालय दमण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव 2026 में 15 जुलाई 2026 को शाम 6 बजे कावेरी त्रिवेदी के कुशल निर्देशन ने संपन्न हुए शौर्यनाद नाटक में दमणवासी युवा रंगमंच के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक-गौरव और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणादायक गाथा के साक्षी बने। राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव 2026 की शुरूआत मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. टी. बालागणेशन, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बालासुब्रमणियन श्रीधरन और कावेरी त्रिवेदी के निर्देशकीय-उद्बोधन तथा राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान से हुई। महान भारतीय बाल क्रांतिकारी सुशील कुमार सेन (1892-1915) के जीवन पर आधारित नाटक शौर्यनाद के निर्देशक के रूप में कावेरी त्रिवेदी ने जिस लगन और मेहनत से नवाचारी नाट्य-युक्ति, दृष्टि और कल्पना का परिचय दिया, वह प्रेरणास्पद है। कुशल निर्देशन में मंचित हुए इस नाटक में कलाकारों का प्रदर्शनकारी समूहबोध देखते बनता है और उनकी यही एकजुटता इसकी सफलता की कुंजी है। अभिनेता सुजल भंडारी ने जिस उत्साह के साथ भारत के एक महान पुरखे सुशील कुमार सेन के किरदार को जीवंत किया, उसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उनकी भाव-भंगिमा (फेसियल एक्सप्रेशन) और देहभाषा (बॉडी लैंग्वेज) में किरदार की गहराई स्पष्ट झलक रही थी। उनकी संवाद अदायगी (डायलॉग डिलीवरी) प्राकृतिक थी और उनके शब्दों के उच्चारण और आवाज़ के मॉड्यूलेशन (मॉड्यूलेशन) ने अंत तक दर्शकों को बांधे रखा। मंच पर उनकी ऊर्जा और सक्रियता (स्टेज प्रेजेंस) देखने लायक थी और सह-कलाकारों के साथ उनका तालमेल शानदार रहा। सूत्रधार के रूप में कोमल माली और नेहा सिन्हा के स्पष्ट और प्रभावशाली उच्चारण ने दर्शकों को अंत तक नाटक से जोड़ा रखा। रोशनी हलपति ने सुशील कुमार सेन की माँ की ध्रुव पटेल ने देशभक्त बुजुर्ग की और अरुण जायसवाल ने उनके साथी देशभक्त की, दक्षिस वारली ने बीरेन दा की, वृत्ति हलपति ने हेम दा की, संजना गोथम ने अंग्रेज सार्जेंट की, आँचल मौर्य, मुक्ति बारी और सोहाना ने अंग्रेज पुलिसियों की, श्रिया पटेल ने कुख्यात प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड की और नितिशा सिंह ने कोर्ट कांस्टेबल की स्मरणीय भूमिका निभाई। नीतू बैठा, किरण कोरी, ज्योति प्रसाद और अर्चना चौहान ने बंगाल नेशनल स्कूल के सुशील कुमार सेन के सहपाठियों की भूमिका निभाई। कोलकातावासियों के रूप में निताल पाहू, रोशनी वारली, पायल श्रीवास्तव, दीपांजलि चौधरी, आयूषी पटेल और अर्चना भारद्वाज के देशभक्त झंडाबरदारों के रूप में आयूषी हलपति, पिंकी राजपुरोहित, वंदना कुशवाहा और बोनी भंडारी के तथा साउंडिस्ट के रूप में आरीफ पठान के बढ़िया काम ने इस सांस्कृतिक संध्या को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ. भावेशकुमार मणिलाल वाला ने किया।

भारी बारिश के बीच बड़ा हादसा टला: सिलवासा कोर्ट भवन के पीछे घर पर गिरा विशाल बबूल का पेड

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 17 जुलाई। शुक्रवार को हुई भारी बारिश के दौरान सिलवासा कोर्ट भवन के पीछे स्थित श्रमजीवी गोविंद सौवरा के परिवार के घर पर एक विशाल बबूल का पेड़ अचानक तेज आवाज के साथ गिर पड़ा। घटना के समय घर के भीतर परिवार के चार सदस्य मौजूद थे, लेकिन सौभाग्यवश सभी सुरक्षित बच गए। जानकारी के अनुसार घर में उस समय सुनीता (35 वर्ष), जानकी (70 वर्ष), एक 8 वर्षीय बालक अश्विन सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। अचानक पेड़ गिरने से झोपड़ीनुमा घर को नुकसान पहुंचा और परिवार के लोग भयभीत हो गए। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों ने इसे ईश्वर की कृपा बताते हुए कहा कि राम राखे उसे कौन चाखे, क्योंकि इतना बड़ा पेड़ घर पर गिरने के बावजूद परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गिरे हुए पेड़ को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए लोगों से पुराने और कमजोर पेड़ों तथा जर्जर संरचनाओं के आसपास सतर्क रहने की अपील की गई है।

TORRENT POWER | DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर डीस्ट्रीब्युशन कोर्पोरेशन लिमिटेड (डीस्ट्रीब्युशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
१९/०७/२०२६ रविवार सुबह: ९:३० से शाम ६:३०	६६ केवी दलवाडा	११ केवी राधे	दमन इन्ड. एस्टेट-कडैया, भारत इन्ड. एस्टेट, दमन रोटो एलिट इन्ड.
२४/०७/२०२६ शुक्रवार सुबह: १०:०० से शाम ६:००	६६ केवी डाभेल	११ केवी जागृति	घेलवाड फलिया, डाभेल क्रिकेट ग्राउन्ड के सामने, वापी दमन मेईन रोड, आमलीया तलाव

असुविधा के लिए खेद है।

बिजली चोरी !! जेल की सजा ! (भारतीय विद्युत अधिनियम, २००३ की धारा १३५ के तहत) जो कोई भी बेईमानी से अनधिकृत कनेक्शन लगाता है, मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनधिकृत उद्देश्यों के लिए बिजली का उपयोग करता है, उसे तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अवैध बिजली कनेक्शन का उपयोग करने से बचें।

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

TORRENT POWER | DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहको को मिलने वाली बिजली सुबह १०:०० से शाम ६.०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
२०/०७/२०२६ सोमवार	वाघधारा	६६/११ केवी पावर ट्रान्सफर नं.२	ज़ीरो टेक्स विस्तार, चेक पोस्ट विस्तार, म्यूच्युअल इन्ड. विस्तार, पार्थ आई.ई. विस्तार, डुग्गर चेक पोस्ट, वाघधारा गाँव, तिघरा गाँव, बाविसा फलिया, होटल एक्सेलन्सी विस्तार, होटल लेक व्यू विस्तार, आनंद स्कूल विस्तार, डॉर्फ केटल विस्तार, लिसा इन्ड. विस्तार, नोवा-२, पार्थ इन्फ्रा **एक्सप्रेस फीडर:** नेशनल फाइबर एक्सप्रेस फीडर

असुविधा के लिए खेद है।

बिजली चोरी !! जेल की सजा ! (भारतीय विद्युत अधिनियम, २००३ की धारा १३५ के तहत) जो कोई भी बेईमानी से अनधिकृत कनेक्शन लगाता है, मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनधिकृत उद्देश्यों के लिए बिजली का उपयोग करता है, उसे तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अवैध बिजली कनेक्शन का उपयोग करने से बचें।

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)